www.tamsasanket.com
वर्ष: 30 || अंक 296 || अम्बेडकरनगर
बुधवार
21 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:56
सूर्यास्त: 05:39
अधिकतम: 22°00
न्यूनतम: 09°00

पेज 07

विशेष समाचार | महाराष्ट्र चुनाव ने क्या संदेश... >>पेज 04 | हजरतगंज चौराहे पर डायवर्जन... >>पेज 06 | तलाक की खबरों पर नेहा...

मोदी ने नितिन नबीन की पीठ थपथपाई, हाथ पकड़कर भाजपा अध्यक्ष की कुर्सी पर बिठाया, बेटी को गोद में उठाया

नितिन नबीन की ताजपोशी

सम्मान

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। नितिन नबीन बीजेपी के नए अध्यक्ष बन गए हैं. खरमास का महीना नितिन नबीन के लिए प्रोबेशन पीरियड जैसा था. 14 दिसंबर को उन्हें बीजेपी का राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था. और, अब 20 जनवरी से वो बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में काम करेंगे। बीजेपी अध्यक्ष का कार्यभार संभालते ही, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनको टास्क दे दिया है. देश के कई हिस्सों में होने वाले विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत पक्की करने का टार्गेट - 2026 में पश्चिम बंगाल, केरल, असम और तमिलनाडु जैसे राज्यों में विधानसभा के लिए चुनाव होने हैं।

दिल्ली में नए अध्यक्ष की ताजपोशी के मौके पर मोदी ने नितिन नबीन को अपना बॉस बताया और, लगे हाथ अगला चुनावी चैलेंज भी थमा दिया - बीजेपी मुख्यालय में मोदी के भाषण को देखें तो पश्चिम बंगाल और केरल पर ज्यादा जोर लगता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

भाजपा ने नितिन नबीन के अध्यक्ष बनाए जाने के ऐलान को संगठन पर्व नाम दिया।

नियुक्ति पत्र पर दस्तखत किए, मोदी ने पीठ थपथपाई

नबीन ने नियुक्ति पत्र पर दस्तखत किए। पीएम मोदी ने उनकी पीठ थपथपाई। पीएम ने स्पीच में भी कहा था कि नितिन ऐसे दौर के हैं, जिसने बचपन में रेडियो पर खबरें सुनीं और आज AI का इस्तेमाल करना जानते हैं। उनमें युवा जोश और बहुत सारा अनुभव दोनों हैं।

पीएम मोदी नितिन को अध्यक्ष के ऑफिस लेकर पहुंचे। उनका हाथ पकड़कर कुर्सी पर बिठाया। 45 साल के नबीन सबसे कम उम्र के भाजपा अध्यक्ष चुने गए हैं। चुनाव प्रक्रिया 19 जनवरी को दिल्ली भाजपा मुख्यालय में हुई थी।

पश्चिम बंगाल और केरल प्राथमिकता में सबसे ऊपर

आने वाले चुनावों के मुद्दे बताने से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नितिन नबीन को बीजेपी के चुनाव जीतने का ट्रैक रिकॉर्ड की तरफ भी ध्यान दिलाया, लेकिन 2024 के लोकसभा चुनाव के बाद के चुनावों का ही. लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने स्लोगन दिया था, अबकी बार 400 पार. लेकिन, बीजेपी एनडीए के सहयोगी दलों के साथ मिलकर भी लक्ष्य हासिल नहीं कर पाई. प्रधानमंत्री मोदी ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के बहाने नितिन नबीन को बताया, बीते डेढ़ दो वर्षों में तो भाजपा पर जनता का भरोसा और मजबूत हुआ है।

>> (शेष पेज 06 पर)

नितिन नबीन को ऐसे मिला टार्गेट

बीजेपी चुनावी मशीन क्यों कही जाती है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मौका देखकर नितिन नबीन को भी नए सिरे से बता दिया. 2002 के गुजरात चुनाव में जीत के बाद हुई समीक्षा बैठक की याद दिलाते हुए मोदी ने कहा, यह भाजपा है जो जीत का जश्न मनाते समय भी अपनी कमियों की लगातार समीक्षा करती है, और कमियों से उभरने के लिए हर समय का उपयोग करती है... हमें आगे बढ़ना है... हमें ध्यान रखना है, हम हार और जीत के बाद समीक्षा करते हैं।

असम में भीड़ ने घरों-चौकी में आग लगाई, हाइवे जाम

कोकराझार में इंटरनेट बंद, देर रात मॉब लिंचिंग में एक की मौत हुई थी

झड़प

तमसा संकेत, एजेंसी

कोकराझार । असम के कोकराझार में बोडो समुदाय और आदिवासियों के बीच झड़प हो गई। इसके बाद दोनों समुदायों ने घरों और करिगांव पुलिस चौकी में आग लगा दी। भीड़ ने टायरों में आग लगाकर करिगांव के पास नेशनल हाइवे जाम कर दिया। कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ते देख प्रशासन ने रैपिड एक्शन फोर्स तैनात कर दी है। एहतियात के तौर पर क्षेत्र में अगले आदेश तक इंटरनेट पर भी रोक लगा दी है। दरअसल, सोमवार रात करिगांव चौकी के पास मानसिंह रोड पर एक गाड़ी ने दो आदिवासी समुदाय के लोगों को टक्कर मार दी थी। कार में बोडो समुदाय के तीन लोग सवार थे।

>> (शेष पेज 06 पर)

इलाज के दौरान घायल की मौत

देर रात हुए भीड़ के हमले के बाद घायलों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां सिखना ज्वहलाओ बिस्मित उर्फ राजा ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

वह ठेकेदार मोरांडा बसुमतारी का दामाद था, जो इलाके में चल रही सड़क निर्माण परियोजना से जुड़े हैं।

एआईपीओसी सम्मेलन का दूसरा दिन, विधायी सुधारों पर फोकस, ओम बिरला हुए शामिल

विधानसभाओं में पारदर्शिता पर मंथन

चर्चा

लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने विधायी संस्थाओं के कार्यप्रणाली में गुणवत्ता के मानक स्थापित करने पर पुनः ज़ोर दिया

86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दूसरे दिन एजेंडा विषयों पर व्यापक चर्चा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ । लखनऊ में चल रहे 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन का दूसरा दिन तीन प्रमुख विषयों पर विचार-विमर्श के साथ संपन्न हुआ –

(1) **पारदर्शी, कुशल एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं हेतु प्रौद्योगिकी का उपयोग**

(2) **विधायकों की क्षमता-वृद्धि द्वारा कार्यकुशलता में सुधार एवं लोकतांत्रिक शासन को सुदृढ़ करना; तथा**

(3) **जनता के प्रति विधायिकाओं की जवाबदेही।**

इन पूर्ण सत्रीय विचार-विमर्शों में लोक सभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला उपस्थित रहे। राज्य सभा के माननीय उपसभापति श्री हरिवंश ने चर्चा का संचालन किया।

सभा को संबोधित करते हुए माननीय लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने देश भर की विधायिकाओं में अपनाई जा रही सर्वोत्तम प्रक्रियाओं को उत्तर प्रदेश विधान सभा की कार्यप्रणाली में समाहित करने के लिए उत्तर प्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष श्री सतीश महाना के प्रयासों की प्रशंसा की।

>> (शेष पेज 06 पर)

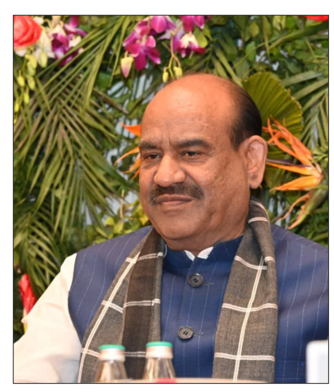

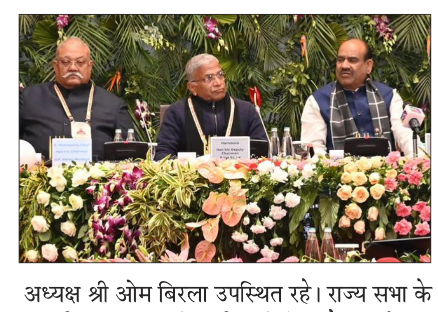

“पारदर्शी, प्रभावी एवं नागरिक-केंद्रित विधायी प्रक्रियाओं के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग, विधायकों की क्षमता निर्माण तथा जनता के प्रति विधायिका की जवाबदेही पर विचार-मंथन

एआई की भूमिका पर बल दिया गया

राज्य सभा के उपसभापति, श्री हरिवंश ने विधान मंडलों की कार्यकुशलता में वृद्धि करने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की भूमिका पर बल दिया, साथ ही इस तकनीक को उपयुक्त एवं विश्वसनीय बनाने के लिए अपेक्षित विभिन्न कदमों का भी उल्लेख किया। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज़

तमिलनाडु गवर्नर का बिना स्पीच दिए विधानसभा से वॉकआउट

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा सत्र के दौरान मंगलवार को सदन में फिर हाईलेवल ड्रामा हुआ। राज्यपाल आरएन रवि एक बार फिर राष्ट्रगान के अपमान का आरोप लगाते हुए स्पीच दिए बिना ही असेंबली से बाहर चले गए।

सुनवाई टिप्पणी

आवारा कुत्तों पर सुप्रीम कोर्ट बोला- हमारी टिप्पणियां मजाक नहीं

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों के किसी हमले में चोट या मौत होती है, तो नगर निकाय के साथ ही डॉग फीडर्स की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है।' कोर्ट ने कहा- पिछली सुनवाई की हमारी टिप्पणियों को मजाक समझना गलत होगा। हम गंभीर हैं। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने कहा- कोर्ट निजी पक्षों की दलीलें पूरी करके आज ही सुनवाई खत्म करना चाहती है। इसके बाद राज्यों को एक दिन का मौका दिया जाएगा।

किश्तवाड़ में आतंकवादियों की तलाश जारी

किश्तवाड़ । जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में सुरक्षा बल लगातार तीसरे दिन भी आतंकियों की तलाश में जुटे हुए हैं। इसी बीच जवानों ने आतंकियों के एक ठिकाने को खोज निकाला। इसमें भारी मात्रा में राशन और सामान जमा था। पत्थरों से बनाए गए इस हाइड आउट को तिरपाल से छिपाया गया था।

राहुल रायबरेली में बोले देश का धन अंबानी-अडाणी को देना चाह रहे

मोदी गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं : राहुल

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली । कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपने रायबरेली दौरे पर हैं। उन्होंने कहा- नरेंद्र मोदी सारा पावर अपने हाथों में लेकर गरीबों को भूखा मारना चाहते हैं। मनरेगा से गांधी जी का नाम हटाकर उनका अपमान किया है। मगर मुख्य बात नाम बदलने की नहीं है। हमारी गरीब जनता को जो सुरक्षा दी गई थी, उसे मोदी सरकार ने खत्म कर दिया है। एक तरफ हम जनता की रक्षा कर रहे हैं, दूसरी तरफ नरेंद्र मोदी देश का पूरा धन खींचकर अंबानी और अडाणी के हाथों में दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पूरे देश में मनरेगा को बचाने का आंदोलन कर रही है। हम मजदूरों की रक्षा के लिए मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

राहुल गांधी ने रायबरेली प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। खिलाड़ियों से एक-एक करके मुलाकात भी की।

राहुल बोले- ड्राइविंग लाइसेंस लेमिनेट कराकर रखूंगा

राहुल गांधी को उनकी अमानत सौंपने वाले विकास सिंह को फिरोज गांधी का ड्राइविंग लाइसेंस उनकी ससुराल पक्ष से तालुक रखने वाले त्रिवेदीजी की बेटी ने दिया था। विकास सिंह ने बताया- रिश्ते में वह साली लगती हैं, जो कि मेरे ससुराल पक्ष से हैं। उनके पिताजी के पास यह लाइसेंस था, जिनका स्वर्गवास 10 साल पहले हो चुका है। उन्होंने ही अपनी बेटी को यह लाइसेंस दिया था। लाइसेंस देते वक्त उन्होंने कहा था कि आपका बड़े लोगों के साथ उठना बैठना है। आप इसको अपने पास रख लीजिए। वक्त जरूरत पर किसी कांग्रेस के बड़े नेता को दे दीजिएगा जो गांधी परिवार से जुदा हो। जिसके चलते मैंने वह लाइसेंस मंच पर राहुल गांधी को दिखाया। >> (शेष पेज 06 पर)

1.56 करोड़ महिलाओं को मिला दस हजारी का लाभ

अब मिलेंगे 2-2 लाख, नीतीश सरकार ने दिया अपडेट

सहयोग

तमसा संकेत, एजेंसी

पटना। बिहार में महिला सशक्तीकरण का श्रेय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को देते हुए ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने मंगलवार को कहा कि जीविका से जुड़कर महिलाएं स्वावलंबी के साथ अपने अधिकारों के प्रति जागरूक भी हुई हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर हो रही महिलाओं के लिए अब किसी के सामने हाथ फैलाने की विवशता नहीं है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के अंतर्गत 1.56 करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की सहयोग राशि दी गई है। इन महिलाओं ने रोजगार के लिए जो भी काम शुरू किया है, उसे आगे बढ़ाने के लिए आगामी दिनों में दो-दो लाख रुपये का और सहयोग दिया जाएगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

- **1.56 करोड़ महिलाओं को 10-10 हजार रुपये की सहायता।**
- **जीविका से जुड़कर महिलाएं हुईं स्वावलंबी और जागरूक।**

राजस्व विभाग में चरम पर भ्रष्टाचार : द ग्रेट खली

शिमला में कहा-पिता की खरीदी जमीन हड़पी

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

शिमला । हिमाचल के सिरमौर जिला से संबंध रखने वाले मशहूर डब्ल्यूडब्ल्यूई रेसलर 'द ग्रेट खली' उर्फ दलीप सिंह राणा ने पांवटा साहिब से जुड़े जमीन विवाद को लेकर राजस्व विभाग पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने मंगलवार को शिमला में प्रेस कॉन्फ्रेंस में जांच कमेटी बदलने और संबंधित तहसीलदार की संपत्ति की जांच करवाने की मांग की। द ग्रेट खली ने आरोप लगाया कि पांवटा साहिब के राजस्व विभाग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हो रहा है। अधिकारी खुद को संविधान से ऊपर समझ रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि न केवल उन्हें, बल्कि करीब 100 अन्य लोगों को भी उनकी पुश्तैनी जमीन से अवैध तरीके से बेदखल किया गया है। खली ने दावा किया कि पांवटा साहिब के सूरजपुर क्षेत्र में उनके पिता ने करीब 16 बीघा जमीन खरीदी थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

- **फर्जी दस्तावेज बनाकर बेदखल, 100 लोगों से ठगी**

धरना : राष्ट्रपति भी शंकराचार्य तय नहीं कर सकते : अविमुक्तेश्वरानंद शंकराचार्य

अविमुक्तेश्वरानंद से प्रशासन ने शंकराचार्य होने का सबूत मांगा

प्रयागराज माघ मेले में 3 दिन से धरने पर

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज । मौनी अमावस्या पर रथ रोके जाने और शिष्यों से मारपीट से नाराज शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद तीन दिन से धरने पर बैठे हैं। प्रयागराज के माघ मेला प्रशासन ने उनसे 24 घंटे में शंकराचार्य होने का सबूत मांगा। इस पर अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा शंकराचार्य कौन होगा, ये सिर्फ शंकराचार्य ही तय कर सकते हैं, इसे तय करने का अधिकार राष्ट्रपति को भी नहीं है। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के कंधे पर बंदूक रखकर जो गलती प्रशासन से हुई है, उसको ये लोग पीछे करना चाह रहे। सुप्रीम कोर्ट का गलत हवाला देकर ये लोग कब तक बच पाएंगे? खुद सरकार ने महाकुंभ में एक पत्रिका छापी थी, उसमें मुझे शंकराचार्य बताया था। कोर्ट ने इस पद पर किसी को बैठाने पर रोक लगाई है। मामले में अब तक कोई नया आदेश नहीं आया है। केस अभी भी कोर्ट में लंबित है। बावजूद इसके माघ मेले के दौरान अविमुक्तेश्वरानंद ने अपने शिविर में लगे बोर्ड पर खुद को “ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य” लिखा है। इस कृत्य से सुप्रीम कोर्ट के आदेश की अवहेलना हुई है। 24 घंटे में बताएं कि खुद को शंकराचार्य कैसे लिख रहे हैं। इधर, शंकराचार्य अड़े हैं कि जब तक प्रशासन माफी नहीं मांगेगा, तब तक वे आश्रम में प्रवेश नहीं करेंगे। उन्होंने कल प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था- हर मेले में प्रयागराज आऊंगा, लेकिन शिविर में नहीं, फुटपाथ पर रहूंगा।

>> (शेष पेज 06 पर)

ज्योतिषपीठ में शंकराचार्य पद का मामला अभी सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने 14 अक्टूबर, 2022 को आदेश दिया था कि जब तक इस केस का अंतिम फैसला नहीं हो जाता, तब तक किसी को भी शंकराचार्य घोषित नहीं किया जा सकता, न ही किसी का पट्टाभिषेक किया जा सकता है।

अविमुक्तेश्वरानंद बोले- मैं हूं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य

सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने कहा- शंकराचार्य वो होता है जिसे बाकी 3 पीठ शंकराचार्य कहते हैं। 2 पीठ हमें शंकराचार्य कहते हैं। पिछले माघ मेले में हमको साथ लेकर स्नान कर चुके हैं। अब आपको किस प्रमाण की जरूरत हैं। क्या ये प्रशासन तय करेगा कि हम शंकराचार्य हैं या नहीं। भारत के राष्ट्रपति को भी अधिकार नहीं है कि वो तय करे कि कौन शंकराचार्य होगा। शंकराचार्य का निर्णय शंकराचार्य करेगा। पुरी के शंकराचार्य ने हमारे बारे में कुछ नहीं कहा। वो साइलेंट हैं। हम निर्विवाद रूप से ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य हैं। अगर कोई कहता है कि मैं ज्योतिषपीठ का शंकराचार्य हूं तो आकर बात करे।

दिव्यांगजनों के अधिकारों और सशक्तिकरण को लेकर योगी सरकार प्रतिबद्ध : नरेन्द्र कश्यप

दिव्यांगजनों के लिए सुगम आवागमन शिक्षा और रोजगार पर कड़ा फोकस

राज्य सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक में दिव्यांगजनों से जुड़े अहम नीतिगत निर्णय

पेंशन से लेकर बाधारहित अधोसंरचना तक, दिव्यांग कल्याण पर सरकार का ठोस एजेंडा

चर्चा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नरेन्द्र कश्यप की अध्यक्षता में योजना भवन स्थित सभाकक्ष में दिव्यांगता पर गठित राज्य सलाहकार बोर्ड की सातवीं बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, विधायकों एवं बोर्ड के सदस्यों द्वारा दिव्यांगजनों के हित में अनेक महत्वपूर्ण सुझाव प्रस्तुत किए गए, जिन पर गहन विचार-विमर्श करते हुए नीतिगत निर्णय लिए गए।

बैठक को संबोधित करते हुए मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार दिव्यांगजनों को सम्मानजनक, आत्मनिर्भर और बाधारहित जीवन प्रदान करने के लिए पूरी संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने निर्देश दिए कि केंद्र व प्रदेश सरकार की सभी योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों तक समयबद्ध, निष्पक्ष और बिना किसी बाधा के पहुंचाया जाए। परिवहन विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि रोडवेज बसों में दिव्यांगजनों के प्रति संवेदनशील व्यवहार सुनिश्चित किया जाए तथा शासनादेश के अनुसार चार आरक्षित सीटों का अनिवार्य पालन हो। आईटी एवं इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग को सभी विभागीय वेबसाइटों को सुगम्य भारत अभियान के मानकों के अनुरूप दिव्यांगजन-अनुकूल बनाने के निर्देश दिए गए।

कोई भी दिव्यांगजन योजनाओं से वंचित न रहे, यह सरकार का संकल्प : मंत्री नरेन्द्र कश्यप

किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार्य नहीं

मंत्री कश्यप ने बताया कि वर्तमान में प्रदेश के 11 लाख से अधिक दिव्यांगजनों को 1000 रुपये प्रतिमाह, अर्थात 12,000 रुपये वार्षिक भरण-पोषण पेंशन प्रदान की जा रही है, जबकि वर्ष 2017 से पूर्व यह राशि मात्र 300 रुपये प्रतिमाह थी। उन्होंने कहा कि पेंशन भुगतान में किसी भी प्रकार की देरी या लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी। नगर विकास विभाग को निर्देशित किया गया कि प्रदेश के सभी शासकीय एवं सार्वजनिक भवनों, पार्कों, शौचालयों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों को दिव्यांगजनों के लिए पूर्णतः बाधारहित बनाया जाए। शिक्षा विभागों को दिव्यांग बच्चों के सर्वेक्षण, विशेष शिक्षकों की उपलब्धता तथा विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में रैम्प, लिफ्ट एवं बाधारहित शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया। साथ ही राज्याधीन सेवाओं में 4 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण तथा शिक्षण संस्थानों में 5 प्रतिशत आरक्षण के प्रभावी अनुपालन पर भी जोर दिया गया।

समग्र डेटा प्रणाली विकसित करने पर विस्तृत चर्चा

बैठक में दिव्यांगजनों के निःशुल्क आवागमन, रोडवेज बसों में आरक्षित सीटों के पालन, कॉक्लियर इम्प्लांट के उपरांत उसके रख-रखाव, तथा दिव्यांगजनों की वास्तविक स्थिति के आकलन हेतु एक समग्र डेटा प्रणाली विकसित करने पर विस्तृत चर्चा हुई। मंत्री कश्यप ने बताया कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश के सभी 18 मंडलों में जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र (डीडीआरसी) स्थापित करने का निर्णय पहले ही लिया जा चुका है, जिससे दिव्यांगजनों को उपचार, उपकरण मरम्मत और परामर्श की सुविधा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध हो सकेगी। बोर्ड के सदस्यों ने इस निर्णय की सराहना की। अंत में मंत्री नरेन्द्र कश्यप ने कहा कि योगी सरकार का संकल्प है कि प्रदेश का कोई भी दिव्यांगजन योजनाओं, सुविधाओं और अधिकारों से वंचित न रहे। उन्होंने सभी विभागों को राज्य सलाहकार बोर्ड के निर्णयों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में उपस्थित सभी सदस्यों, अधिकारियों और सहयोगी संस्थाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि सामूहिक प्रयासों से उत्तर प्रदेश को दिव्यांगजन-सशक्त राज्य बनाया जाएगा।

फास्ट न्यूज

एलयू में 'हिंदुत्व की प्रासंगिकता' पर नेशनल कॉन्फ्रेंस

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के मालवीय हॉल में मंगलवार को विश्व हिन्दू परिषद (VHP) के विश्व हिन्दू एकेडमिक संगठन (WAHA) की तरफ से नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। इस दौरान 'हिंदुत्व की शाश्वत प्रासंगिकता' विषय पर एक्सपर्ट्स ने व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में कई कुलपति और बड़ी संख्या में प्रोफेसर मौजूद रहे।

लखनऊ में विवाहिता फांसी पर लटकी

लखनऊ । लखनऊ के ठाकुरगंज इलाके में एक महिला ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। घर में दुपट्टे के सहारे शव पंखे से लटकता मिला। परिजनों ने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

गौशाला रोड इंडियन पब्लिक स्कूल के सामने ठाकुरगंज की रहने वाली पारुल (28) पत्नी अंकुर तिवारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पति अंकुर तिवारी कासगंज शोरूम में पंडिताई करते हैं। उन्होंने बताया लखनऊ में पत्नी पारुल, दो बेटी और भाई ईशांत रहते हैं। ईशांत सिटी कार्ट में नौकरी करता है।

4 साल में 5 गुना बढ़ा साइबर फ्रॉड

लखनऊ । लखनऊ में साइबर ठगी के मामलों में 4 साल में 5 गुना का इजाफा हुआ है। साल 2022 में साइबर थाने में सिर्फ 42 मुकदमे दर्ज हुए थे, जो 2025 में बढ़कर 215 तक पहुंच गए। साल 2025 में साइबर जालसाजों ने 76 करोड़ 50 लाख रुपए ठगे। हालांकि, पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 54 करोड़ 20 लाख रुपए वापस भी कराए हैं। लोगों को साइबर ठगी से बचाने और ठगी के शिकार लोगों का पैसा वापस दिलाने के लिए साइबर कमांडो तैयार किए हैं।

'घर के सामने भरा रहता है गंदा पानी गंदगी से बच्चे बीमार हो रहे'

मेयर से महिला बोली- मैम कैसे जिंदा रहूंगी

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में मेयर सुषमा खर्कवाल के लाल बाग स्थित नगर निगम मुख्यालय में आयोजित जनता दरबार में पहुंची महिलाओं ने शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। खरगापुर से पहुंची महिलाओं ने शिकायत करते हुए मेयर सुषमा खर्कवाल से कहा कि मैम, कैसे जिंदा रहेंगे। घर के सामने 100 मीटर तक गंदा पानी भरा रहता है। समस्या बढ़ गई है। कोई सुन नहीं रहा है। शिकायत करने पर भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है।

किरण वर्मा, रेखा अवस्थी, साधना दुबे सहित कई महिला मेयर से मिलने पहुंची। उन्होंने कहा कि खरगापुर में राम आसरे पुरवा में ग्लास फैक्ट्री से होकर सड़क का निर्माण कार्य हो रहा था। जो आगे आकर एचडीएफसी एटीएम के पास में कच्ची सड़क से मिलता है। इस दौरान जल निकासी सही से नहीं होने के कारण नाली का पानी लोगों के घरों में भर रहा है। इसके कारण लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके साथ ही सड़क बनाने की भी मांग की गई है।

मेयर सुषमा खर्कवाल ने मौके पर महिलाओं से कहा कि पहले ही खरगापुर में सबसे अधिक विकास कार्य कराया जा रहा है। शिकायत का संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। ताकि लोगों को सुविधा मिल सके। वहीं, महिलाएं मेयर से मिलने के बाद में नगर आयुक्त गौरव कुमार से भी मिली, जिन्हें नगर आयुक्त ने भी फरवरी में काम होने का आश्वासन दिया।

तीन चरणों में हो रही प्रतियोगिता, 24 जनवरी को विजेताओं को किया जाएगा सम्मानित

राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता चरण -2 का सफल आयोजन

योगी सरकार के कौशल विकास विजन को मजबूती, आईटीआई चारबाग में प्रतियोगिताओं की प्रभावी शुरुआत

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ । प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित कौशल विकास अभियानों के क्रम में राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता–2026 के द्वितीय चरण के अंतर्गत मुख्य प्रतियोगिताओं का सफल आयोजन किया गया। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, चारबाग, लखनऊ में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रदेश के 18 मंडलों का प्रतिनिधित्व कर रहे 386 प्रतिभागियों ने विभिन्न आधुनिक एवं रोजगारपरक कौशलों में अपने हुनर का प्रदर्शन किया।

उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन के तत्वावधान में आयोजित इस प्रतियोगिता में युवाओं में उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली। प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागियों ने निर्धारित मानकों के अनुरूप तकनीकी दक्षता, व्यावहारिक समझ और नवाचार का परिचय दिया। उल्लेखनीय है कि राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता तीन चरणों में आयोजित की जा रही है। प्रथम चरण 12 से 13 जनवरी 2026 तक आयोजित हुआ, जबकि द्वितीय चरण 19 से 20 जनवरी 2026 तक संपन्न हो रहा है। तृतीय चरण 22 से 23 जनवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। प्रत्येक कौशल से चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों को 24 जनवरी 2026 को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाएंगे। चयनित प्रतिभागी इंडिया स्किल्स प्रतियोगिता के अगले स्तर में उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

प्रतिभागियों ने दिखाया उच्च स्तरीय कौशल प्रदर्शन

युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार

मिशन निदेशक ने कहा कि राज्य स्तरीय कौशल प्रतियोगिता युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का सशक्त मंच प्रदान कर रही है। इस प्रतियोगिता के माध्यम से प्रदेश के युवा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हो रहे हैं। यह पहल उत्तर प्रदेश को कौशल विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

दूसरे चरण में 386 युवाओं की सक्रिय सहभागिता, मिशन निदेशक पुलकित खरे ने किया स्थलीय निरीक्षण

पुलकित खरे का प्रतियोगिता स्थल पर भ्रमण

मिशन निदेशक पुलकित खरे ने प्रतियोगिता स्थल का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया तथा प्रतिभागियों से संवाद कर उनके अनुभव साझा किए। उन्होंने प्रतिभागियों के ठहरने, भोजन एवं आवागमन की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए, ताकि प्रतियोगिता के दौरान युवाओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में स्थापित सैमसंग स्किल लैब का भी अवलोकन किया और प्रशिक्षण की गुणवत्ता, तकनीकी संसाधनों तथा रोजगार संभावनाओं पर प्रशिक्षकों एवं प्रशिक्षणार्थियों से चर्चा की।

चेहरा कूचकर घर से 1 किलोमीटर दूर फेंका, भाई बोला- लाठी-डंडों से पीटकर जान ली

पत्नी ने की बेटों संग मिलकर पति की हत्या

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 50 साल के व्यक्ति की हत्या कर दी गई। उसका शव घर से करीब 1 किलोमीटर दूर गड्ढे में मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। उसकी पत्नी और दो बेटों को हिरासत में लिया है।

घटना मलिहाबाद थाना क्षेत्र के खड़ता गांव की है। मृतक की पहचान 50 साल के अर्जुन पाल के रूप में हुई है। उसके भाई ने बताया- अर्जुन पाल की पत्नी शिवरानी और बेटों रूपलाल व राजेंद्र ने हत्या की है। हत्या को हादसा दिखाने के लिए शव को गड्ढे में फेंका है।

मलिहाबाद थाना क्षेत्र के नबीनगर नहर पुलिया के पास गड्ढे में

मंगलवार सुबह करीब 10 बजे स्थानीय लोगों ने शव देखा। स्थानीय लोगों ने इसकी पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने छानबीन शुरू की तो उसकी पहचान खड़ता गांव निवासी अर्जुन पाल के रूप में हुई। मृतक के भाई मुन्नू लाल ने बताया- सूचना पर मैं मौके पर पहुंचा। अर्जुन पाल के शव के ऊपर ई-रिक्शा पड़ा था। चेहरे पर चोट के निशान थे। पास में स्टील की टंकी पड़ी थी। मुन्नू लाल ने बताया- घटना स्थल से कुछ दूर पर बिस्तर पड़ा था। वह खून से सना था। पुलिस ने उसे कब्जे में लिया। उसके बाद अर्जुन पाल के घर पहुंची। वहां कमरे में खून के निशान मिले।

मौके पर स्टील की टंकी मिली है।

रात में 3 बजे ई-रिक्शा जाते दिखा था

भाई मुन्नू लाल ने बताया कि अर्जुन के दोनों बेटे शराब और जुआ के आदी हैं। सोमवार देर रात दोनों बेटों ने पिता अर्जुन पाल के साथ मारपीट की थी। ग्रामीणों के मुताबिक, मंगलवार रात करीब तीन बजे ई-रिक्शा गांव से निकलते देखा गया था, लेकिन अंधेरा होने के कारण उसमें सवार लोगों की जानकारी नहीं हो पाई थी। इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि नामजद तहरीर के आधार पर पत्नी और दोनों बेटों को हिरासत में लिया गया है। प्रथम दृष्टया हत्या कर शव को ई-रिक्शा से ले जाकर फेंकने और हादसे का रूप देने की बात सामने आ रही है। कमरे और ई-रिक्शा दोनों में खून के निशान मिले हैं। फिलहाल सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है और आरोपियों से पूछताछ जारी है।

रोडवेज बस ने इंस्पेक्टर की पत्नी को रौंदा, मौत

लखनऊ। लखनऊ के कैंट क्षेत्र में सोमवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में आरपीएसएफ के इंस्पेक्टर की पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चला रहा परिचित गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद रोडवेज बस चालक बस लेकर फरार हो गया। आरपीएसएफ थर्ड बटालियन तालकटोरा रोड, आलमबाग में तैनात इंस्पेक्टर बच्ची लाल गौतम वर्तमान में अयोध्या में ड्यूटी पर हैं। उनकी पत्नी अनुराधा (42) सरोजिनी नगर स्थित सैनिक स्कूल के पास अपने परिवार के साथ रहती थीं। परिवार में दो बेटियां और एक बेटा शुभ है। इंस्पेक्टर बच्ची लाल गौतम ने बताया कि सोमवार शाम उनकी पत्नी अनुराधा परिचित कुलदीप के साथ मोटरसाइकिल से गोमती नदी में मूर्ति विसर्जन करने गई थीं। देर शाम लौटते समय कैंट क्षेत्र में आर्मी हेडक्वार्टर के डाकखाने के पास पीछे से आ रही एक रोडवेज बस ने लापरवाही से चलाते हुए बाइक में जोरदार टक्कर मार दी।

गोमतीनगर से डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई अमृत भारत एक्सप्रेस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ के गोमतीनगर रेलवे स्टेशन से आज दोपहर 1:00 बजे अमृत भारत एक्सप्रेस मां कामाख्या होते हुए डिब्रूगढ़ के लिए रवाना हुई। यह ट्रेन उत्तर प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और असम के प्रमुख स्टेशनों से गुजरते हुए पूर्वोत्तर भारत तक सीधी रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराएगी।

गोमतीनगर से चलने के बाद अमृत भारत एक्सप्रेस अयोध्या कैंट, अयोध्या धाम, मनकापुर, खलीलाबाद, गोरखपुर, देवरिया सदर, सीवान, छपरा, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नौगछिया, कटिहार, बारसोई, किशनगंज, अलुआबाड़ी रोड, न्यू जलपाईगुड़ी, न्यू कूचबिहार, न्यू अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्यू बोंगाईगांव, बारपेटा रोड, नलबाड़ी, रंगिया, कामाख्या, गुवाहाटी, जागी रोड, चापरमुख, होजई, लम्डिंग, दीफू, दीमापुर, फरकाटिंग, मरियानी, सिमालगुड़ी, मोराणहाट होते हुए अंत में डिब्रूगढ़ पहुंचेगी। असम के रहने वाले शरद ने बताया कि हम लखनऊ से अपनी तैयारी कर रहे हैं। अभी अपने घर असम जा रहे हैं। इस ट्रेन में काफी शानदार व्यवस्था है। साफ-सफाई भी बहुत अच्छी है। सिक्योरिटी पर्पज से कैमरे भी लगाए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज सिंह ने बताया कि इस नई अमृत भारत एक्सप्रेस के संचालन से लखनऊ और आसपास के इलाकों के यात्रियों को असम और पूर्वोत्तर राज्यों तक सीधी, तेज और सुरक्षित रेल सेवा मिलेगी।

पूर्वोत्तर भारत से सीधा जुड़ा लखनऊ, दर्जनों स्टेशनों से गुजरेगी ट्रेन

नोकझोंक : टांगकर बस में बैठाया, मणिकर्णिका घाट मंदिर मामले में विरोध प्रदर्शन

आप नेताओं को पुलिस ने घसीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । काशी के मणिकर्णिका घाट पर प्राचीन मंदिरों को तोड़े जाने के विरोध में आम आदमी पार्टी ने स्वास्थ्य भवन चौराहा, कैसरबाग में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस से उनकी तीखी नोकझोंक हुई। पुलिस ने आप नेताओं और कार्यकर्ताओं को घसीट और टांगकर बस में बैठाकर हिरासत में लिया। पार्टी प्रतिनिधिमंडल ने संबंधित अधिकारी को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मंदिर ध्वस्तीकरण पर तत्काल रोक, जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई और तोड़े गए मंदिरों के पुनर्निर्माण की मांग की। पार्टी ने स्पष्ट किया कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों से किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ स्वीकार नहीं की जाएगी। प्रदेश प्रवक्ता प्रिंस सोनी ने कहा कि मणिकर्णिका घाट पर मंदिरों को तोड़ना पूरे हिंदू समाज की आस्था पर हमला है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता में आने के बाद भारतीय जनता पार्टी विकास की आड़ में धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को नुकसान पहुंचा रही है। धार्मिक स्थलों से छेड़छाड़ सामाजिक सौहार्द और संवैधानिक धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। पार्टी के जिला महासचिव ज्ञान सिंह कुशवाहा ने कहा कि यह सरकार हमारे इतिहास को मिटाना चाहती है। सरकार पुराने मंदिरों को मिटा रही है। हमारी संस्कृति पर सीधे तौर पर यह हमला कर रही है। यह सरकार अपना नया साम्राज्य गढ़ रही है। यह पूरी तरीके से हिंदू विरोधी सरकार है।

'विकास के नाम पर मंदिर तोड़ने की राजनीति नहीं चलेगी'

लखनऊ जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि भाजपा की तानाशाही और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ आज लखनऊ की सड़कों पर जनता की आवाज बुलंद हुई है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द कार्रवाई नहीं की तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

प्रदेश प्रभारी के निर्देश पर हुआ प्रदर्शन

पार्टी के प्रदेश प्रभारी सांसद संजय सिंह के निर्देश पर जिला पदाधिकारियों ने यह प्रदर्शन किया। AAP का कहना है कि यह मामला केवल निर्माण या विकास का नहीं, बल्कि आस्था, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के सम्मान से जुड़ा है। पार्टी ने आरोप लगाया कि विकास के नाम पर धार्मिक स्थलों से की गई छेड़छाड़ स्वीकार्य नहीं है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय कराई जाएगी।

कार से खींचकर युवक को पीटा स्कूटी हटाने को लेकर विवाद

स्कॉर्पियो सवार हमलावरों ने ईंट-हेलमेट से ताबड़तोड़ वार किए

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के इंदिरा नगर थाना क्षेत्र में स्कूटी हटाने की बात पर हुए विवाद में कार सवार युवक को घेरकर बेरहमी से पीटा गया। हमलावरों ने युवक को कार से खींचकर जमीन पर गिराया। उसके सिर-गर्दन पर ताबड़तोड़ वार किए। गंभीर हालत में घायल युवक को डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फरीदी नगर निवासी पीड़ित कुलदीप मिश्रा ने बताया कि 17 जनवरी की रात करीब 10:30 बजे वह अपनी कार (UP 32 NH 7273) से सेंट्रल एकेडमी चौराहे से गुजर रहे थे। सड़क पर खड़ी स्कूटी के कारण रास्ता जाम था। हॉर्न देने पर स्कूटी सवार करण चौरसिया ने स्कूटी हटाने से इनकार किया। उसने गाली-गलौज शुरू कर दी। बीच-बचाव करने पहुंचे स्थानीय लोगों को भी हमलावरों ने धमकाया और मारपीट पर उतारू हो गए। भीड़ बढ़ती देख सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायल युवक को लोहिया अस्पताल पहुंचाया गया। पीड़ित की तहरीर पर इंदिरा नगर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

कार से बाहर खींचकर पीटा

करण चौरसिया ने जबरन कुलदीप मिश्रा को कार से बाहर खींच लिया। तभी काली स्कॉर्पियो से पहुंचे अनिरुद्ध जय और उसके 3-4 अन्य साथी भी मौके पर आ गए। सभी ने मिलकर कुलदीप मिश्रा को जमीन पर पटक दिया। हेलमेट, ईंटों व डंडों से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित के सिर और गर्दन में गंभीर चोटें आईं। आरोपियों ने कार में भी तोड़फोड़ की।

श्रवण धाम महोत्सव-2026 का दूसरा दिन ऐतिहासिक, दीपोत्सव से तमसा तट बना आस्था का केंद्र

लाखों दीपों से जगमगाया श्रवण धाम, त्रिवेणी क्षेत्र में उमड़ा जनसैलाब

> श्रवण धाम महोत्सव–2026 के दूसरे दिन दीपोत्सव, तमसा आरती, लेजर शो और काव्य पाठ के माध्यम से धार्मिक, सांस्कृतिक और साहित्यिक गतिविधियों का समन्वय देखने को मिला। आयोजन में जिले के साथ-साथ आसपास के क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। तीसरे दिन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ महोत्सव के समापन की तैयारियां जारी हैं।

आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अंबेडकरनगर में चल रहे तीन दिवसीय श्रवण धाम महोत्सव–2026 के दूसरे दिन सोमवार को भव्य दीपोत्सव का आयोजन हुआ। महात्मा श्रवण कुमार की निर्वाण स्थली श्रवण धाम स्थित पावन त्रिवेणी क्षेत्र लाखों दीपों की रोशनी से आलोकित हो उठा। घाटों, मंदिर परिसर और मार्गों पर सजे दीपों ने पूरे क्षेत्र को दिव्य स्वरूप प्रदान किया। सायंकाल से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ श्रवण धाम पहुंचने लगी, जिससे पूरा क्षेत्र आस्था

और उल्लास से भर गया। लेजर शो ने पौराणिक कथा को आधुनिक प्रस्तुति के साथ जोड़ते हुए सांस्कृतिक संवाद स्थापित किया। आयोजन का उद्देश्य भारतीय परंपराओं और जीवन मूल्यों को नई पीढ़ी तक सहज और प्रभावी रूप में पहुंचाना रहा। तकनीकी दृष्टि से शो को सुव्यवस्थित रखा गया, जिससे हर दृश्य स्पष्ट और क्रमबद्ध तरीके से प्रस्तुत हुआ।

तमसा तट पर मंत्रोच्चार और शंखनाद के बीच संपन्न हुई भव्य आरती

दीपोत्सव के उपरांत तमसा नदी के तट पर विधिवत तमसा आरती का आयोजन किया गया। वाराणसी से आए डमरू दल ने मंत्रोच्चार, शंखनाद और डमरुओं की गूंज के साथ आरती को विशेष स्वरूप प्रदान किया। आरती के दौरान घाटों पर खड़े श्रद्धालु पूरे अनुशासन और श्रद्धा भाव के साथ सहभागी बने। दीपों की कतारों और आरती की लयबद्ध ध्वनियों ने तमसा तट को भव्य धार्मिक मंच में परिवर्तित कर दिया।

कवि कुमार विश्वास की ओजस्वी कविताओं से गूंजा श्रवण धाम परिसर

महोत्सव के दूसरे दिन का समापन प्रसिद्ध कवि कुमार विश्वास और उनकी टीम के काव्य पाठ से हुआ। देर शाम शुरू हुए इस काव्य कार्यक्रम में देशप्रेम, सामाजिक चेतना और मानवीय भावनाओं से जुड़ी कविताएं प्रस्तुत की गईं। कविताओं के बीच तालियों की गूंज लगातार सुनाई देती रही।

लेजर शो में सजीव हुआ श्रवण कुमार का त्यागमय जीवन

तमसा आरती के बाद श्रद्धालुओं के लिए विशेष लेजर शो का आयोजन किया गया। आधुनिक तकनीक से प्रस्तुत इस शो में महात्मा श्रवण कुमार के जीवन से जुड़े प्रमुख प्रसंगों को प्रभावशाली दृश्यात्मक रूप में प्रदर्शित किया गया। माता-पिता की सेवा, त्याग और कर्तव्य जैसे मूल्यों को लेजर प्रोजेक्शन के माध्यम से स्पष्ट रूप से दर्शाया गया। प्रकाश और ध्वनि संयोजन के साथ प्रस्तुत इस शो ने दर्शकों को पूरी तरह बांधे रखा। बड़ी संख्या में युवाओं और बच्चों ने शो को गंभीरता से देखा।

सुरक्षा और व्यवस्थाओं में दिखी प्रशासनिक तत्परता

श्रवण धाम महोत्सव के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाएं पूरी तरह सक्रिय रहीं। आयोजन स्थल, घाटों और प्रमुख मार्गों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। यातायात, भीड़ नियंत्रण, प्रकाश व्यवस्था और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए स्वयंसेवक और पुलिस बल तैनात रहे। बड़ी संख्या में युवाओं और बच्चों ने शो को गंभीरता से देखा। हजारों की संख्या में मौजूद श्रोताओं ने पूरी एकाग्रता के साथ काव्य पाठ का आनंद लिया।

फास्ट न्यूज

22 जनवरी को अम्बेडकर नगर में दिशा बैठक

अम्बेडकर नगर। जिले में केंद्र सरकार की योजनाओं की प्रगति को लेकर जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति (दिशा) की महत्वपूर्ण बैठक 22 जनवरी को आयोजित की जाएगी। यह बैठक अपरान्ह 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में होगी। बैठक की अध्यक्षता लोकसभा सांसद अम्बेडकर नगर करेंगे। प्रशासनिक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं यह बैठक ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशों के क्रम में आयोजित की जा रही है।

टांडा- सुल्तानपुर मार्ग फोरलेन की प्रक्रिया तेज

अंबेडकरनगर। टांडा–सुल्तानपुर मार्ग को फोरलेन में बदलने की प्रशासनिक प्रक्रिया तेज हो गई है। प्रस्तावित फोरलेन निर्माण को लेकर वन विभाग ने अपने स्तर से आवश्यक सर्वे कार्य पूरा कर लिया है। मार्ग के दोनों ओर आने वाले पेड़ों का स्थलीय निरीक्षण कर उनकी विस्तृत सूची तैयार की गई है, जिसे शासन को भेज दिया गया है। वन विभाग के अनुसार सुल्तानगढ़ पुल से सुरहुरपुर पुल तक प्रस्तावित फोरलेन मार्ग के दायरे में करीब 3000 पेड़ आ रहे हैं। इन पेड़ों को लेकर प्रजाति, आकार और संख्या का विस्तृत आंकलन किया गया है। सर्वे रिपोर्ट शासन को सौंप दी गई है।

खाद एवं रसद विभाग में नौकरी दिलाने के नाम पर चार लाख की ठगी

अंबेडकरनगर। जिले में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का एक और मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मालीपुर थाना क्षेत्र के तारा खुर्द कल्याणपुर निवासी दीपक मौर्य ने पुलिस को बताया कि राजेसुल्तानपुर थाना क्षेत्र के गोवर्धनपुर तिवारी का पुरवा निवासी सौरभ तिवारी ने उन्हें खाद एवं रसद विभाग में नौकरी दिलाने का भरोसा दिया था।

गोविंद गणेशपुर वार्ड में मंगलवार को चला विशेष जागरूकता अभियान

डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन को लेकर वार्डों में प्रशिक्षण अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ओर से डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए वार्ड स्तर पर प्रशिक्षण और जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को गोविंद गणेशपुर वार्ड में विशेष अभियान संचालित किया गया। अभियान का उद्देश्य घर-घर जाकर गीले और सूखे कचरे के पृथक्करण को व्यवहार में लाना और नागरिकों को इसकी प्रक्रिया से अवगत कराना रहा। नगर पालिका परिषद अकबरपुर की ट्रेनिंग पार्टनर संस्था मॉडर्न ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की टीम द्वारा डोर टू डोर कूड़ा कलेक्शन से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

स्वच्छ भारत मिशन और आईईसी टीम के साथ संयुक्त अभियान

यह अभियान नगर पालिका परिषद अकबरपुर की स्वच्छ भारत मिशन टीम, आईईसी टीम और ट्रेनिंग पार्टनर टीम के संयुक्त प्रयास से वार्डों में बृहद स्तर पर चलाया जा रहा है। तीनों टीमों के समन्वय से घर-घर संपर्क कर लोगों को स्वच्छता से जुड़े व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी दी जा रही है।

> टीम द्वारा वार्ड वासियों को घर पर ही होम कंपोस्टिंग अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा रहा है। उन्हें बताया गया कि रसोई से निकलने वाले गीले कचरे का उपयोग खाद बनाने में किया जा सकता है, जिससे कचरे का निस्तारण घर के स्तर पर ही संभव है। इससे नगर पालिका पर बोझ कम होने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है।

घर पर ही दिया जा रहा कचरा पृथक्करण का व्यावहारिक प्रशिक्षण

अभियान के दौरान नागरिकों को घर पर ही प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि गीले और सूखे कचरे को किस प्रकार अलग-अलग पात्रों में रखा जाए। टीम द्वारा उदाहरण देकर बताया गया कि रोजमर्रा की आदतों में छोटे बदलाव कर स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सकता है। प्रशिक्षण को सरल और व्यावहारिक तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है ताकि सभी वर्ग के लोग इसे आसानी से समझ सकें।

प्रत्येक घर पर लगाए जा रहे जानकारी वाले स्टीकर

अभियान के तहत प्रत्येक घर पर कचरा पृथक्करण से संबंधित स्टीकर लगाए जा रहे हैं। इन स्टीकरों में गीले और सूखे कचरे की पहचान, पृथक्करण की विधि और इसके लाभों की जानकारी दी गई है।

दरगाह रसूलपुर किछौछा में 300 जरूरतमंदों को कंबल

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर।दरगाह रसूलपुर किछौछा में पीएच चैरिटेबल ट्रस्ट के तत्वावधान में 16वां कंबल वितरण समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता ट्रस्ट संस्थाध्यक्ष दबीर अहमद ने की। समारोह में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को ठंड से राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कंबल वितरित किए गए। विशिष्ट अतिथि मोहम्मद शफी नेशनल इंटर कॉलेज हंसवर के शिक्षक मोहम्मद असलम खान ने कहा कि सेवा भाव ही मनुष्य की सच्ची पहचान बनाता है। उन्होंने कहा कि समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने के लिए ऐसे आयोजनों की भूमिका अहम होती है, क्योंकि इससे आपसी सहयोग और मानवीय संवेदनाएं मजबूत होती हैं। ट्रस्ट संस्थाध्यक्ष दबीर अहमद एडवोकेट ने कहा कि निःस्वार्थ भाव

से की गई सेवा से किसी का भी हृदय परिवर्तन किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि समाज सुधार का यह सबसे प्रभावी माध्यम है। ट्रस्ट लगातार जरूरतमंदों के लिए कार्य कर रहा है और आगे भी ऐसे कार्यक्रम जारी रहेंगे। कार्यक्रम में महमूद अहमद एडवोकेट ने कहा कि समाजसेवा से व्यक्ति महान बनता है और इससे सामाजिक सौहार्द को मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक प्रयासों से ही समाज में स्थायी सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है। पवन कुमार मौर्य ने कहा कि समाज की खिदमत करने से ईश्वर प्रसन्न होते हैं। ग्रीनलैंड चिल्ड्रेन एकेडमी बसखारी के प्रबंधक जुहेब खान ने कहा कि गरीबों और असहायों की सेवा से आत्मसंतुष्टि मिलती है और यह भाव समाज को एकजुट करता है।

मुख्य अतिथि ने सेवा को बताया सफलता की कुंजी

समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व सांसद घनश्याम चंद्र खरवार ने कहा कि गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति निःस्वार्थ सेवा का भाव ही जीवन में सफलता और सच्ची कामयाबी का मूलमंत्र है। उन्होंने कहा कि समाज के समर्थ वर्ग को आगे आकर सेवा कार्यों में भागीदारी निभानी चाहिए, जिससे जरूरतमंदों को राहत के साथ सामाजिक समरसता को भी मजबूती मिले।

कॉलेज छात्राओं को पम्पलेट वितरण, हेलमेट अभियान से दिया गया संदेश

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत जागरूकता अभियान तेज

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। प्रदेश में चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत जनपद अम्बेडकर नगर में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। 01 जनवरी से 31 जनवरी 2026 तक मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा माह के 20वें दिन जिले में शिक्षा संस्थानों और प्रमुख चौराहों पर विशेष अभियान चलाया गया। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के तहत अकबरपुर स्थित भानमती महाविद्यालय, बसखारी रोड में अध्ययनरत छात्राओं को सड़क सुरक्षा से संबंधित पम्पलेट वितरित किए गए। इस दौरान छात्राओं को सुरक्षित यातायात के नियमों, दो

पहिया व चार पहिया वाहन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। कार्यक्रम में परिवहन विभाग की ओर से ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने की वर्तमान व्यवस्था की जानकारी भी साझा की गई। छात्राओं को SARTHI पोर्टल और VAHAN 4.0 पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन, लाइसेंस प्रक्रिया और वाहन संबंधी सेवाओं के बारे में समझाया गया, ताकि वे डिजिटल माध्यम से परिवहन सेवाओं का लाभ उठा सकें। यातायात प्रभारी जय बहादुर यादव, उप निरीक्षक एवं यातायात पुलिस टीम ने वाहन चालकों को हेलमेट न पहनने से होने वाले दुष्परिणामों और हेलमेट पहनने से होने वाले सुरक्षा लाभों के बारे में बताया। अभियान का उद्देश्य दंडात्मक कार्रवाई के साथ-साथ सकारात्मक संदेश के जरिए नियमों के पालन को बढ़ावा देना रहा।

20 दिनों में सैकड़ों चालान, नियम उल्लंघन पर सख्ती

परिवहन विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार जनपद अम्बेडकर नगर में 01 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक सड़क सुरक्षा नियमों के उल्लंघन पर व्यापक कार्रवाई की गई। इस अवधि में हेलमेट नहीं पहनने के मामलों में 680 चालान, सीटबेल्ट नहीं लगाने पर 225 चालान किए गए। इसके अलावा रांग साइड ड्राइविंग के 77 और वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग के 5 मामलों में चालान की कार्रवाई की गई। परिवहन विभाग का कहना है कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जागरूकता और प्रवर्तन दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है।

पटेल नगर तिराहे पर हेलमेट जागरूकता अभियान

सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत अकबरपुर के पटेल नगर तिराहे पर यातायात पुलिस द्वारा विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चला रहे चालकों को गुलाब का फूल भेंट कर हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया गया। कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए जागरूकता और प्रवर्तन दोनों पर समान रूप से ध्यान दिया जा रहा है।

दहेज के लिए विवाहिता का उत्पीड़न, पिता और भाई को भी बनाया बंधक

ससुरालीजन ने आभूषण और मोबाइल छीनकर किया मारपीट

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले के भीटी क्षेत्र में दहेज में कार नहीं मिलने के कारण एक विवाहिता के साथ उसके ससुरालीजनों ने गंभीर उत्पीड़न किया। मामले में पुलिस ने पति समेत नौ आरोपियों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। विवाहिता की शादी करीब एक वर्ष पहले हुई थी। आरोप है कि शादी के समय उसे दहेज में कार का आश्वासन दिया गया था। जब कार नहीं दी गई, तो ससुरालीजन नाराज होने लगे। इसके बाद पति, सास-ससुर, देवर और चारों ननद तथा ननदोई ने विवाहिता पर लगातार दबाव डालना शुरू कर दिया। मायके से कार लाने के लिए दबाव बनाने के दौरान आरोपितों ने उसके साथ मारपीट की और उसके आभूषण व मोबाइल छीन लिए। विदाई कराने मायके गए पिता और भाई को भी

आरोपी बंधक बनाकर पीटने लगे। ग्रामीणों के हस्तक्षेप के बाद पिता और भाई को छोड़ दिया गया। विवाहिता ने आरोप लगाया है कि नंदोई ने उसके साथ छेड़छाड़ की भी कोशिश की। इस मामले में पुलिस ने सभी आरोपियों को नामजद कर मामले की जांच शुरू कर दी है। भीटी थाना अध्यक्ष अमित पांडेय ने बताया कि विवाहिता की शिकायत के आधार पर दहेज उत्पीड़न और अन्य संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी आरोपियों की पहचान कर पूछताछ की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

कार्यवाई : अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के गांधी आश्रम इलाके में हुई सनसनीखेज वारदात

निजी स्कूल की शिक्षिका के हत्यारोपी पति व सास-ससुर को भेजा गया जेल

अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर जिले में सोमवार को हुई एक नृशंस हत्या से कानून-व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के गांधी आश्रम इलाके में एक शिक्षिका की दिनदहाड़े गला काटकर हत्या कर दी गई। यह घटना बुधवार को सामने आई, जिसने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति के साथ उसकी मां और पिता को भी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस सूत्रों के अनुसार आरोपी उमाशंकर सिंह भारतीय जनता पार्टी से जुड़ा हुआ है और नगर मीडिया प्रभारी के पद पर कार्यरत है। इस संबंध में पुलिस

अधिकारियों का कहना है कि आरोपी की राजनीतिक पहचान का जांच पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। कानून सभी के लिए समान है और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद साक्ष्यों के आधार पर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया जाएगा। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मामले में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरती जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

इलाके में तनाव, मायके पक्ष में आक्रोश

घटना के बाद से गांधी आश्रम इलाके में भय और तनाव का माहौल बना हुआ है। वहीं मृतका के मायके पक्ष में गहरा आक्रोश है। परिजनों का कहना है कि सोनी सिंह के साथ पहले भी घरेलू विवाद की शिकायतें थीं। स्थिति को देखते हुए पुलिस ने क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

घर के अंदर हुई हत्या, मौके पर ही गई जान

मृतका की पहचान सोनी सिंह के रूप में हुई है। वह एक निजी विद्यालय में शिक्षिका थीं। पुलिस के अनुसार वारदात के समय पति-पत्नी घर के अंदर मौजूद थे। किसी बात को लेकर विवाद हुआ, जिसके बाद आरोपी पति उमाशंकर सिंह ने धारदार हथियार से सोनी सिंह का गला काट दिया। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद आसपास के लोगों को जब जानकारी हुई तो मौके पर भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू की।

अवैध संबंधों के शक में हत्या की आशंका

प्रारंभिक पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी पति को पत्नी के कथित अवैध संबंधों पर शक था। इसी संदेह को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। पुलिस का कहना है कि इसी शक के चलते आरोपी ने हत्या की वारदात को अंजाम दिया। हालांकि सभी तथ्यों की पुष्टि साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। मृतका के पिता की तहरीर पर अकबरपुर कोतवाली में पति उमाशंकर सिंह, सास और ससुर के खिलाफ हत्या समेत अन्य गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने जांच के दौरान तीनों आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

एलडीबी बैंक तहसील अध्यक्ष पद पर अशोक कुमार उपाध्याय निर्विरोध निर्वाचित

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जलालपुर ब्लॉक स्थित डवाकरा हॉल में मंगलवार को एलडीबी बैंक के तहसील अध्यक्ष पद के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी की गई। निर्धारित समय के भीतर अशोक कुमार उपाध्याय ने अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन की प्रक्रिया तय कार्यक्रम के अनुसार संपन्न कराई गई। नामांकन की अंतिम तिथि तक किसी अन्य उम्मीदवार द्वारा नामांकन पत्र दाखिल नहीं किया गया। इसके चलते अशोक कुमार उपाध्याय को एलडीबी बैंक तहसील अध्यक्ष पद पर निर्विरोध निर्वाचित घोषित किया गया। यह लगातार दूसरी बार है जब उन्हें इस पद की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निर्वाचन की समस्त प्रक्रिया पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. मिथिलेश त्रिपाठी और राम प्रकाश यादव की उपस्थिति में कराई गई। चुनाव

प्रक्रिया शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुई। नामांकन से लेकर निर्वाचन की घोषणा तक किसी प्रकार की आपत्ति या विवाद सामने नहीं आया। अशोक कुमार उपाध्याय के निर्विरोध निर्वाचित होने पर संगठन और क्षेत्र के कई लोगों ने उन्हें बधाई दी। बधाई देने वालों में पंकज वर्मा, भाजपा नगर अध्यक्ष संदीप गुप्ता, रामफेर कनौजिया, चंद्रिका प्रसाद, सरिता निषाद, प्रवीण गौड़ और विनय सिंह सहित अन्य लोग शामिल रहे। सभी ने उनके नेतृत्व पर भरोसा जताया। उपस्थित लोगों ने उम्मीद जताई कि नए कार्यकाल में बैंक से जुड़े कर्मचारियों और खाताधारकों के हितों को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही बैंक की कार्यप्रणाली को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में सकारात्मक पहल की जाएगी। निर्वाचन के बाद अशोक कुमार उपाध्याय ने कहा कि वह पूर्व में भी किसानों से जुड़े मुद्दों को लेकर सक्रिय रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि आने वाले समय में भी किसानों के हितों की रक्षा के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

सम्पादकीय

ट्रंप का प्रस्ताव ठुकराना ही बेहतर

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत को एक ऐसा प्रस्ताव मिला है, जिसे सरकार को फौरन नकार देना चाहिए। क्योंकि इसमें न केवल भारत की संप्रभुता और गुटनिरपेक्षता पर खतरा खड़ा होगा, बल्कि घोर वैश्विक असंतुलन भी खड़ा हो सकता है। डोनाल्ड ट्रंप गज़ा में शांति बहाल करने और स्थायी व्यवस्था निर्मित करने के लिए बनाए गए बोर्ड में भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अमेरिका की तरफ से बोर्ड ऑफ पीस में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण आया है। 16 जनवरी को प्रधानमंत्री मोदी को लिखे पत्र में ट्रंप ने कहा कि भारत की भागीदारी से मध्य पूर्व में शांति की दिशा में एक 'ऐतिहासिक और निर्णायक प्रयास' को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे 7 अक्टूबर 2023 से जारी गज़ा संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक नए और साहसिक वैश्विक दृष्टिकोण के रूप में पेश किया है। ट्रंप के मुताबिक, उन्होंने 29 सितंबर, 2025 को गज़ा संकट को खत्म करने के लिए 20-बिंदुओं वाली योजना की घोषणा की थी, जिसे अरब देशों, इज़रायल और यूरोप सहित कई वैश्विक नेताओं का समर्थन मिला था। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी इसे अनुमोदित किया था। लेकिन बात केवल इतनी ही नहीं है। असल में यह बोर्ड ऑफ पीस पूरी वैश्विक व्यवस्था को उलट-पुलट करने के इरादे से बनाया गया है। डोनाल्ड ट्रंप इसके आजीवन अध्यक्ष रहेंगे, और वो हटते हैं तो उनके द्वारा नामित व्यक्ति ही उनका उत्तराधिकारी बनेगा। यानी अमेरिका अपनी चौधराहट अब नए तरीके से दिखा रहा है। इसके अलावा बोर्ड के जरिए केवल गज़ा तक नहीं बल्कि तीसरी दुनिया के देशों की कमान संभालने का इरादा दिख रहा है। ट्रंप ने पिछले साल सितंबर में जब ग़ज़ा के लिए एक 20-सूत्रीय शांति योजना प्रस्तावित की थी तो इसमें ग़ज़ा को एक 'अस्थायी शासन' के अधीन रखा जाना था, जिसका प्रबंधन एक 'तकनीकी, गैर-राजनीतिक फिलिस्तीनी समिति' द्वारा किया जाता। जब संरा ने इस बोर्ड को मंजूरी दी, तो इसका कार्यकाल 2027 के अंत तक सीमित था और फोकस केवल ग़ज़ा पर था। लेकिन बोर्ड का चार्टर अब विस्तारित हो चुका है। अब यह सिर्फ मध्यपूर्व की शांति तक सीमित नहीं है, बल्कि 'वैश्विक संघर्षों को सुलझाने' वाला एक 'नया अंतरराष्ट्रीय संगठन और अस्थायी शासन प्रशासन' के रूप में परिभाषित है। चार्टर में 'और संस्थाओं से अलग होने का साहस' पर जोर दिया गया है। यानी संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्था को खत्म कर, एक समानांतर व्यवस्था बनाने की चालाकी ट्रंप ने दिखाई है। बोर्ड का चार्टर 'संघर्ष से प्रभावित' या 'संघर्ष की धमकी वाले' क्षेत्रों में 'स्थायी शांति' पर फोकस करता है। जहां 'धमकी वाले' क्षेत्र की परिभाषा साफ नहीं है। वैसे भारत इस व्यवस्था से दूर ही रहे तो अच्छा है, क्योंकि चार्टर में लिखे 'संघर्ष की धमकी वाले क्षेत्र' जैसे अस्पष्ट शब्द भविष्य में कश्मीर जैसे मुद्दे पर भारत की संप्रभुता को चुनौती दे सकते हैं। ट्रंप अभी पहलगाम के बाद ही किस तरह दखलंदाजी करने लगे हैं, ये सबने देखा है। भारत की हामी के बाद तो उन्हें कश्मीर पर बोलने का लाइसेंस ही मिल जाएगा। दरअसल गज़ा को कट्टरता और आतंकवाद से मुक्त क्षेत्र बनाने, सुरक्षा ढांचा तैयार करने और पुनर्निर्माण करने के नाम पर ट्रंप अब एशिया और अफ्रीका के कमजोर देशों पर अमेरिकी पूंजीवाद के चंगुल और कसना चाहते हैं। नए निर्माण और सुरक्षा के नाम पर कमजोर देशों को मनमानी शर्तों पर समझौता करने मजबूर किया जाएगा और उससे बाद उनकी जमीन और संसाधनों का इस्तेमाल ट्रंप अपने मुनाफे के लिए करेंगे। अभी संयुक्त राष्ट्र संघ चाहे शांति बहाली या युद्ध रुकवाने में प्रभावी रहे न रहे, वहां सभी सदस्य देशों के वोट का महत्व है और वीटो शक्ति के कारण किसी एक देश की मनमानी नहीं चल पाती है। ट्रंप इसे खत्म करके एक नये किस्म की तानाशाही कायम करने की राह पर हैं और इसमें वो भारत को भी शामिल करना चाहते हैं। अब यह नरेन्द्र मोदी को तय करना है कि वे ट्रंप की मीठी-मीठी बातों में आते हैं या भारत के घरेलू और वैश्विक हितों पर दूरगामी नजरिया रखते हैं। गौरतलब है कि ट्रंप का निमंत्रण ऐसे वक्त में आया है जब मोदी सरकार ट्रंप प्रशासन के साथ एक व्यापार समझौते पर काम कर रही है, ताकि भारतीय निर्यात पर लगे 50प्रतिशत शुल्क को कम किया जा सके ट्रंप ने पहले ही भारत को परोक्ष रूप से धमका कर अपने फायदे के सौदे करवाए हैं। चाहे रूस से तेल खरीद कम करना हो या ईरान में चाबहार पोर्ट पर समझौते से पीछे हटना हो, मोदी सारे काम ट्रंप की सुविधा के लिए कर रहे हैं। अब उनके सामने बोर्ड ऑफ पीस का नया चारा फेंका गया है। ध्यान रहे कि ट्रंप इसमें भी चंदा उगाही से बाज नहीं आ रहे हैं। इस बोर्ड में स्थायी सदस्यता पाने के लिए एक अरब अमेरिकी डॉलर का योगदान करना होगा। वहीं, तीन साल की अस्थायी सदस्यता के लिए किसी वित्तीय योगदान की शर्त नहीं रखी गई है। इस राशि का उपयोग गज़ा के लिए होगा, ये कहा गया है। लेकिन जहां ट्रंप की मर्जी चलेगी, वहां क्या कोई देश या बोर्ड का सदस्य हिसाब-किताब मांग सकेगा। बता दें कि इस समय बोर्ड की कार्यकारी समिति में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो, ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी ब्लेयर, मध्य पूर्व के लिए अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटकॉफ, ट्रंप के दामाद और व्यवसायी जेरेड कुशनर तथा विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा शामिल हैं।

महाराष्ट्र चुनाव ने क्या संदेश दिया है

अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बहुत प्रोफेशनल पार्टी है. उसका मुकाबला उसके तरीके से ही किया जा सकता है। कोई भी दल परम्परागत तरीके से लड़कर उससे जीत नहीं सकता। सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव के अलावा कोई और विपक्षी नेता इस बात को समझ नहीं पा रहा है।

2014 के बाद से मोदी की राजनीति देश के सिर पर चढ़कर बोल रही है। 2024 लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से दूर रह गई तो राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब मोदी की राजनीति का उतराव शुरू हो गया है । विपक्षी दल भी काफी खुश थे कि अब जनता में मोदी का असर कम होने लगा है । लोकसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में भाजपा की जबरदस्त जीत ने बता दिया है कि मोदी का असर कम होने की जगह बढ़ गया है । इस साल पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में चुनाव होने वाले हैं, जो यह तय करेंगे कि विपक्ष का भविष्य क्या होगा । महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी लेकिन मुंबई महानगरपालिका चुनाव की जीत के अलग मायने हैं । बीएमसी के बजट को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह किसी बड़े राज्य से कम महत्वपूर्ण नहीं है । महाराष्ट्र भाजपा के लिए दूसरा गुजरात बन सकता है । जिस तरह से मोदी ने अपने शासन में धीरे-धीरे विपक्ष को खत्म कर दिया था, वैसे ही महाराष्ट्र में देवेंद्र फडणवीस भी मोदी के नेतृत्व में विपक्ष के खात्मे की ओर चल पड़े हैं। भाजपा और संघ इतने बड़े बन चुके हैं कि उनसे मुकाबला करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं रहा है । कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और सही मायनों में भाजपा के अलावा वहीं एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस धीरे-धीरे अपना प्रभाव खोती जा रही है । बीएमसी चुनाव परिणाम का संदेश यह भी है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा राजनीतिक धोखे का बदला बड़ी बेदर्दी से लेती है । पहले मोदी-शाह की जोड़ी ने एनसीपी और शिवसेना को दो टुकड़ों में तोड़ दिया और अब महाराष्ट्र में यह जोड़ी पूर्ण वर्चस्व पाने की ओर चल पड़ी है । इस लड़ाई को लड़ने के लिए मोदी के पास देवेंद्र फडणवीस के रुप में एक बड़ा योद्धा है । देखा जाए तो इस जीत ने देवेंद्र फडणवीस का कद देश की राजनीति में बहुत बड़ा कर दिया है । एनसीपी के दोनों धड़ो की ऐसी हालत हो गई है कि यहां से ऊपर उठना लगभग असंभव लग रहा है । इसके बावजूद उद्धव ठाकरे अपने पिता की विरासत बचाने की जंग भी जीतते नजर आ रहे हैं । देखने से लगता है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सफलता उद्धव ठाकरे की शिवसेना से बड़ी है लेकिन एकनाथ शिंदे भाजपा से

अलग होकर उद्धव ठाकरे के खिलाफ लड़ते हैं तो हालात बदल सकते हैं। उद्धव ठाकरे ने 65 सीटें जीतकर दिखा दिया है कि वो अब भी कमजोर नहीं हुए हैं लेकिन सच यह है कि अब वो बीएमसी से बाहर हो गए हैं। बीएमसी से ही उन्हें पार्टी चलाने की ऊर्जा मिल रही थी, अब उन्हें यह ऊर्जा मिलनी बंद हो जाएगी तो धीरे-धीरे उनकी पार्टी की ताकत कम होती जाएगी। अगर एकनाथ शिंदे और भाजपा का गठबंधन ऐसे ही बना रहता है तो महाराष्ट्र की राजनीति में विपक्षी दलों के लिए मौके कम होते जाएंगे । एनसीपी की आर्थिक ताकत बहुत ज्यादा है, इसलिए वो अपना अस्तित्व बनाये रख सकती है लेकिन उद्धव ठाकरे के लिए आर्थिक कमजोरी मुश्किलें खड़ी कर सकती है। देखा जाए तो महाराष्ट्र की राजनीति बड़े जटिल मोड़ पर खड़ी हो गई है, यहां से कौन कहाँ जाएगा, कहना बड़ा मुश्किल है। कांग्रेस ने इन चुनाव में अपनी ताकत दिखा दी है। कांग्रेस महाराष्ट्र में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन सकती है, क्योंकि उसे मुंबई के अलावा अन्य शहरों में अच्छी सीटें मिली हैं। अगर भाजपा और एकनाथ शिंदे का गठबंधन बना रहता है तो आने वाले समय में कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी होगी। महाराष्ट्र से भाजपा ने अपने सहयोगियों और विरोधियों को बड़ा संदेश दिया है। जहां भाजपा ने अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी शिवसेना को ठिकाने लगा दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ उसने एनसीपी के अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। वैसे देखा जाए तो राजनीति में ऐसी उठापटक चलती रहती है लेकिन महाराष्ट्र से भारत की जनता ने विपक्ष को बड़ा संदेश दिया है। जनता ने बताया है कि सत्ता प्राप्त करना मुश्किल नहीं है लेकिन उसे संभालना मुश्किल है। शरद पवार ने उद्धव ठाकरे की सत्तालोलुपता का फायदा उठाकर कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता तो हासिल कर ली, लेकिन उसे संभाल नहीं पाए । उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को पाना अपनी सफलता माना था लेकिन वो उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल साबित हुई है। उन्होंने अपने पिता से मिली राजनीतिक पूंजी अपनी एक गलती से गवां दी है। उनकी पार्टी सिर्फ बीएमसी से बाहर नहीं हुई है, बल्कि अन्य शहरों में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी। इसका मतलब है कि उनके शासन से जनता निराश थी, जिसका खामियाजा उन्हें विधानसभा के बाद निकाय चुनाव में भुगतना पड़ा है वर्तमान विपक्ष की सबसे बड़ी कमी यही है कि वो मोदी की लाइन छोटी करने के चक्कर में अपनी लाइन ही भूल गया है। दूसरी तरफ मोदी के नेतृत्व में भाजपा विपक्ष को अनदेखा करते हुए अपनी बड़ी लाइन खींच रही है। विपक्ष भाजपा को कोसता रहता है लेकिन वो यह नहीं देखता कि जो राज्य उसके पास हैं, वो वहां ऐसा कुछ नहीं कर पा रहा है, जिससे जनता में उसकी छवि मजबूत हो।

● राजेश कुमार पासी

मत प्रतिशत में ...

ललित गर्ग

बंगाल में लोकतंत्र, विकास और अस्मिता की निर्णायक परीक्षा-घड़ी

पश्चिम बंगाल की राजनीति इस समय एक ऐसे संक्रमण काल से गुजर रही है, जहां सत्ता, संघर्ष, कानून और जनभावना-चारों धाराएं एक-दूसरे से टकराती हुई दिखाई देती हैं। यह टकराव केवल भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच राजनीतिक वर्चस्व की लड़ाई भर नहीं है, बल्कि यह उस शासन शैली, लोकतांत्रिक मर्यादा और विकास दृष्टि की भी परीक्षा है, जिसके आधार पर बंगाल अपनी आने वाली राजनीतिक दिशा तय करेगा। लंबे समय तक "खेला होगा" के नारे के सहारे भाजपा को रोकने में सफल रहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने इस बार परिस्थितियां अपेक्षाकृत अधिक जटिल, चुनौतीपूर्ण और बहुआयामी नजर आ रही हैं। आज समूचे देश की नजरे पश्चिम बंगाल पर टिकी है। वहां आगामी विधानसभा काफी रोमांचक एवं निर्णायक होगा, जिसमें पश्चिम बंगाल का नया भविष्य बुनने की दिशाएं उद्‌घाटित होगी। एक ओर केंद्र और राज्य के बीच टकराव अपने चरम पर है, तो दूसरी ओर केंद्रीय एजेंसियों की कार्रवाई, अदालती टिप्पणियां और कानूनी बहसें राजनीतिक विमर्श को नियंत्रित कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों ने केवल एक कानूनी प्रश्न ही नहीं उठाया, बल्कि यह संकेत भी दिया कि राज्य सरकारों द्वारा केंद्रीय जांच एजेंसियों के कामकाज में हस्तक्षेप की सीमाएं कहां तक हो सकती हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने ममता

बनर्जी की उस राजनीतिक छवि को आंशिक रूप से प्रभावित किया है, जो अब तक स्वयं को केंद्र के कथित दमन के विरुद्ध संघीय ढांचे की रक्षक के रूप में प्रस्तुत करती रही हैं। अदालतों में लंबी चलने वाली कानूनी लड़ाइयों का राजनीतिक प्रभाव तुरंत और गहरा होता है, विशेषकर तब, जब चुनाव नजदीक हों और जनता का ध्यान प्रशासनिक उपलब्धियों से हटकर आरोप-प्रत्यारोप पर केंद्रित होने लगे। बंगाल की राजनीति की एक विशिष्ट विशेषता यह रही है कि यहां विचारधारा और भावनाएं अत्यंत तीव्र रूप से अभिव्यक्त होती हैं। वाम मोर्चे के लंबे शासन के बाद ममता बनर्जी का उदय एक जनांदोलन के रूप में हुआ था। उन्होंने न केवल वामपंथी वर्चस्व को तोड़ा, बल्कि खुद को गरीब, हाशिए के वर्ग और क्षेत्रीय अस्मिता की आवाज के रूप में स्थापित किया। शुरुआती वर्षों में उनकी सरकार ने कुछ कल्याणकारी योजनाओं और सशक्त राजनीतिक संप्रेषण के माध्यम से जनता का विश्वास भी अर्जित किया। किंतु समय के साथ सत्ता का केंद्रीकरण, संगठन पर अत्यधिक नियंत्रण और विरोध के प्रति असहिष्णुता जैसे आरोप भी समानांतर रूप से उभरते गए। भाजपा ने इन्हीं कमजोरियों को अपना राजनीतिक आधार बनाने की कोशिश की है। 2019 के लोकसभा चुनावों से लेकर अब तक भाजपा ने बंगाल में अपने संगठनात्मक ढांचे को मजबूत किया है और हिंदुत्व, राष्ट्रवाद तथा भ्रष्टाचार विरोधी विमर्श को आक्रामक रूप से आगे बढ़ाया है। हालांकि विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से वापसी की, लेकिन यह भी सच है कि भाजपा बंगाल की राजनीति में एक स्थायी और निर्णायक शक्ति के रूप में स्थापित हो चुकी है।

पत्रकारिता का मूल ...

बाबूलाल नागा

टकराव नहीं, संवाद ही लोकतंत्र का भविष्य

आज का समय तेज बदलावों का समय है। तकनीक, संचार और सूचना के इस युग में समाज पहले से कहीं अधिक जुड़ा हुआ दिखाई देता है, लेकिन विरोधाभास यह है कि इसी दौर में व्यक्ति-व्यक्ति के बीच दूरी भी बढ़ती जा रही है। अखबारों की सुर्खियां, टीवी बहसें और सोशल मीडिया की टाइमलाइन—अक्सर भय, आक्रोश, अविश्वास और टकराव से भरी नजर आती हैं। मानो सकारात्मक खबरें अब अपवाद बनती जा रही हों। ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि क्या समाज सचमुच इतना नकारात्मक हो गया है, या फिर हम सकारात्मक प्रयासों को देखना और दिखाना भूलते जा रहे हैं? वर्तमान सामाजिक परिदृश्य पर नजर डालें तो स्पष्ट होता है कि नकारात्मकता केवल एक भावनात्मक स्थिति नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रवृत्ति बनती जा रही है। असहमति को संवाद के बजाय संघर्ष में बदल देना, विचारों के मतभेद को व्यक्तिगत दुश्मनी समझ लेना और अफवाहों को सत्य मान लेना—ये सभी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक समाज के लिए गंभीर चुनौती हैं। यह स्थिति केवल राजनीतिक बहसों तक सीमित नहीं है, बल्कि सामाजिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्तर पर भी गहराती जा रही है। सोशल मीडिया ने जहां आम नागरिक को अभिव्यक्ति का मंच दिया है, वहीं उसने जिम्मेदारीहीनता को भी बढ़ावा दिया है। अधूरी जानकारी, भ्रामक वीडियो और उत्तेजक भाषा के जरिए नकारात्मक भावनाएं तेजी से फैलती हैं। परिणामस्वरूप समाज में अविश्वास का माहौल बनता है। लोग एक-दूसरे की बात सुनने के बजाय पहले ही निष्कर्ष पर पहुंच जाते हैं। यह प्रवृत्ति किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नहीं कही जा सकती।

लेकिन इसी तस्वीर का दूसरा पहलू भी है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है। देश के गांवों, कस्बों और शहरों में ऐसे अनगिनत सकारात्मक प्रयास जारी हैं, जो समाज को जोड़ने का काम कर रहे हैं। कहीं युवा स्वयंसेवी संगठन शिक्षा से वंचित बच्चों को पढ़ा रहे हैं, तो कहीं महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे समुदाय की आर्थिक स्थिति बदल रही हैं। कहीं किसान प्राकृतिक खेती अपनाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मिसाल कायम कर रहे हैं, तो कहीं शिक्षक सीमित संसाधनों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का सपना साकार कर रहे हैं। समस्या यह नहीं है कि समाज में सकारात्मकता समाप्त हो गई है, समस्या यह है कि नकारात्मक खबरों का शोर सकारात्मक प्रयासों की आवाज को दबा देता है। मीडिया की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। पत्रकारिता का मूल उद्देश्य केवल सनसनी फैलाना नहीं, बल्कि समाज को दिशा देना भी है। सकारात्मक पत्रकारिता का अर्थ यह नहीं कि समस्याओं को छुपाया जाए, बल्कि यह कि समस्याओं के साथ-साथ समाधान और उम्मीद की कहानियां भी सामने लाई जाएं। आज भारत जिस सबसे बड़ी चुनौती से जूझ रहा है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने ...

अशोक भाटिया

ट्रंप का दावा कितना सही ?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वेनेजुएला पर हमले और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पत्नी समेत अगवा कराए जाने के बाद अब डेनमार्क के स्वायत्त द्वीप ग्रीनलैंड को लेकर अपनी मुहिम तेज कर दी है। ट्रंप का दावा है कि अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड पर अमेरिकी स्वामित्व जरूरी है। ग्रीनलैंड दुनिया का सबसे बड़ा द्वीप है, जो कनाडा और यूरोप के बीच उत्तरी अटलांटिक महासागर में स्थित है। उत्तरी ध्रुव से सटे होने के कारण इसका 80 प्रतिशत से अधिक हिस्सा बर्फ की मोटी परत से ढका हुआ है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह बर्फ तेजी से पिघल रही है और इसके साथ ही उत्तरी ध्रुव सागर की बर्फ भी घटती जा रही है। इसका एक बड़ा असर यह है कि समुद्री यातायात के लिए नए जलमार्ग खुल रहे हैं, जो रूस, चीन और जापान से उत्तरी अमेरिका तथा यूरोप की दूरी काफी कम कर देते हैं। इन नए जलमार्गों पर पकड़ बनाने के लिए रूस और चीन अपने विशेष युद्धपोतों और पनडुब्बियों का विकास कर रहे हैं। इसी कारण ग्रीनलैंड का भू-राजनीतिक और सामरिक महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। दूसरे विश्व युद्ध में भी इस क्षेत्र ने हिटलर की नौसेना को रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। युद्ध के बाद अमेरिका ने इसे खरीदने की कोशिश की थी, जबकि 1951 में डेनमार्क ने ग्रीनलैंड की सुरक्षा में अमेरिका को विशेष भूमिका देते हुए सैन्य अड्डे बनाने की अनुमति दे दी थी।ग्रीनलैंड में तेल, गैस और दुर्लभ खनिजों के भंडार भी बताए जाते हैं, जो इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, रक्षा तकनीक और स्वच्छ ऊर्जा की बैटरियों के लिए बेहद जरूरी हैं। ट्रंप का कहना है कि रूस और चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए अमेरिका को ग्रीनलैंड अपने नियंत्रण में लेना चाहिए। देखा जाय तो कुछ ऐसा खरीदने की कोशिश करना जिसे बेचा नहीं जा सकता है, उसे हड़पना कहा जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प उत्तरी गोलार्ध के पास ग्रीनलैंड के साथ ऐसा ही कुछ करना चाहते हैं। अमेरिकी मानसिकता एक व्यापारी है। हम हमेशा अपने आस-पास ऐसे लोगों के समूह को देखते हैं जो मानते हैं कि वे पैसे से कुछ भी खरीद सकते हैं। उस रवैये का अंतर्राष्ट्रीय प्रतीक संयुक्त राज्य अमेरिका है, जो उस देश, अलास्का का हिस्सा है।लुइसियाना और

अन्य राज्यों को संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा खरीदा गया है। यानी ऐसे प्रांतों को खरीदना अमेरिका की आदत रही है। इसका अगला हिस्सा ग्रीनलैंड को खरीदने का देश का प्रयास है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने पहली बार 1867 में या बाद में 1910 में इसी तरह के प्रयास की कोशिश की। वह असफल रहा। बाद में, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, अमेरिका की ग्रीनलैंड की भूख फिर से बढ़ गई। उस विश्व युद्ध में, स्थिति उत्पन्न हुई कि क्या डेनमार्क, जिसके पास ग्रीनलैंड का प्रबंधन था, हिटलर के नाजियों द्वारा निगल लिया जाएगा।

समय का हो उत्कृष्ट सदुपयोग

समय खोया हुआ पुनः पाया जाए इसका कोई उपाय नहीं हैं । इसीलिए कहा गया है कि समय सर्वोच्च शक्ति हैं । हमारे जीवन में समय का बहुत महत्व होता हैं । समय एक प्रकार का धन हैं । इस धन का हम मानव क्या उपयोग कर सकते हैं । यह हमारे लिए एक ध्यातव्य बात हैं । जो व्यक्ति समय का आदर करता है वास्तव में वह सर्वोच्च शक्ति की आदर भक्ति करता है। समय की बर्बादी आत्मपतन की आबादी है । वह जो समय को व्यर्थ खोता है वास्तव में अपने जीवन के साथ अनर्थ ही करता है । समय का सदुपयोग भी किया जा सकता हैं । दुरुपयोग भी किया जा सकता हैं । अनुपयोग भी किया जा सकता हैं । समय का हर पल एक साधना है । उसे किसी सार्थक काम में लगाना ही इसकी सही आराधना है । अतः हम इसे खोएँ नहीं किसी सार्थक प्रयोजन में सही-सही लगाएँ । अच्छे कार्यों में समय का सही से नियोजन किया जाए तो समय का सही से सदुपयोग भी हो जाता हैं । हिंसा, झूठ, धोखाधड़ी आदि बुरे कार्यों में समय का नियोजन किया जाए तो समय का दुरुपयोग हो जाता हैं । वह आदमी आलस्यवश आदि प्रयोजन से कोई कार्य ही नहीं करें तो वह समय का अनुपयोग हो जाता हैं । हमको चाहिए की हम समय का बढ़िया, धार्मिक - आध्यात्मिक उपयोग करें । हम बुरे कार्यों, बुरे विचारों और बुरी योजनाओं में अपना समय कभी भी नहीं लगाए । वह कुछ भी नहीं करना उत्तम नहीं हैं । समय का अच्छा उपयोग किया जाए तो जीवन में समय का सार्थक सही से उपयोग संभव हैं । हमको समय के लिए किसी प्रकार का धन लगाने की आवश्यकता नहीं होती हैं । हमको प्रतिदिन के 24 घंटे समान रूप से मिलते हैं । इस समय का कौन व्यक्ति कितना विवेकपूर्ण उपयोग करता हैं । यही सबसे महत्वपूर्ण होता हैं । धर्मग्रंथों में चौरासी लाख जीवयोनियों बताईं गईं हैं । उनमें यह मानव जीवन दुर्लभ और महत्वपूर्ण हैं । इस मानव जीवन में साधना करके मोक्ष तक पहुँचा जा सकता हैं । वह किसी अन्य योनि से मोक्ष की प्राप्ति करना संभव नहीं हैं । अतः इस मानव जीवन में हमें समय का सही और उत्कृष्ट उपयोग करना चाहिए । इस सर्वोच्च शक्ति का सदुपयोग तभी होगा जब सद्‌कर्मों से प्राप्त इस दुर्लभ निधि का सही उपयोग हमारे से होगा । अतः सदा सदा ध्यान रहे कि समय बड़ा बलवान हैं ।

> प्रदीप छाजेड़

दरभंगा में हेड मास्टर पर लापरवाही का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा

स्कूल वैन से गिरकर बच्चे की मौत

लापरवाही

तमसा संकेत, एजेंसी

दरभंगा। दरभंगा में एक स्कूल की वैन से गिरकर तीसरी कक्षा के एक छात्र की मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में आक्रोश फैल गया। ग्रामीणों ने स्कूल प्रबंधन पर घोर लापरवाही का आरोप लगाया और जमकर हंगामा किया। मामला सदर थाना क्षेत्र के लोआम गांव का है।

मृतक छात्र की पहचान मो चमन के 9 साल के बेटे मो समर के रूप में हुई है। स्कूल से करीब छह बच्चों को लेकर वैन घर की ओर लौट रही थी। इसी समय सीता पेट्रोल पंप के पास मोड़ पर टर्न लेने के दौरान गेट खुला हुआ था। वैन की हालत जर्जर बताई जा रही है। इसी बीच एक छात्र वैन के अंदर से टूटे गेट के कारण बाहर गिर गया। गिरते ही उसके सिर में गंभीर चोट लगी और मौके पर ही उसकी मौत हो गई।

मृतक के चाचा अफजल ने बताया कि स्कूल वैन पूरी तरह जर्जर और कबाड़ा हो चुकी थी। गाड़ी में न तो इंश्योरेंस है और न ही कोई इमरजेंसी नंबर लिखा हुआ था। वैन का गेट खुला हुआ था, जिससे बच्चा बाहर गिर गया। उन्होंने कहा कि हादसे के बाद बच्चे को अस्पताल ले जाया गया, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

घटना की सूचना मिलने पर सदर थानाध्यक्ष मनोज कुमार और अन्य थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को नियंत्रित किया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पूरे मामले की जांच की जा रही है। ग्रामीणों ने फरार ड्राइवर की जल्द गिरफ्तारी और स्कूल प्रबंधन पर सख्त कार्रवाई की मांग की है। हादसे के बाद इलाके में शोक और गुस्से का माहौल है।

> घटना के बाद वैन का ड्राइवर गाड़ी को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने अन्य बच्चों को सुरक्षित बाइक से उनके घर पहुंचाया। ग्रामीणों ने बताया कि हादसे के बाद बच्चे काफी डरे हुए थे और स्कूल की ओर से कोई मदद नहीं पहुंची।

स्कूल में किसी ने नहीं उठाया फोन

उन्होंने आरोप लगाया कि स्कूल प्रबंधन को बार-बार फोन किया गया, लेकिन करीब तीन घंटे तक न तो प्रिंसिपल और न ही स्कूल के किसी जिम्मेदार व्यक्ति ने फोन उठाया। सभी मोबाइल स्विच ऑफ मिले। न कोई गाड़ी भेजी गई और न ही स्कूल की ओर से कोई मदद की गई। सवाल उठता है कि एक बच्चा जान गंवा चुका था, फिर भी स्कूल प्रबंधन बाकी बच्चों की सुध लेने तक नहीं पहुंचा।

सांसद बोले, सम्राट बाबू बच्चियां डरी हुईं हैं, बचा लीजिए

पटना । पटना के गांधी मैदान के पास पीजी गर्ल्स हॉस्टल में औरंगाबाद की एक NEET छात्रा की मौत हुई थी। हॉस्टल में मंगलवार को पूर्णिया के सांसद पप्पू यादव पहुंचे। उन्होंने कहा कि बिहार में गर्ल्स हॉस्टल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े गिए।

पप्पू यादव ने कहा कि पटना में बड़ी संख्या में ऐसे गर्ल्स हॉस्टल संचालित हो रहे हैं, जो बिना लाइसेंस और जरूरी सुरक्षा मानकों के चलाए जा रहे हैं। न तो इन हॉस्टलों की नियमित जांच होती है और न ही अग्निशमन, सीसीटीवी, प्रवेश-निकास व्यवस्था और वार्डन की उपस्थिति जैसे बुनियादी मानकों का पालन किया जा रहा है।

उन्होंने प्रशासन से मांग की कि सभी गर्ल्स हॉस्टलों के लाइसेंस की तत्काल जांच कराई जाए और जो हॉस्टल नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। डिप्टी सीएम से हाथ जोड़कर बोला सम्राट बाबू बच्चियां डरी हुईं हैं, उन्हें बचा लीजिए।

हमारी टिप्पणियां मजाक नहीं: सुप्रीम कोर्ट

मौत मामले में डॉग फीडर्स भी जिम्मेदार, हर जगह स्थानीय प्रशासन फेल

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आवारा कुत्तों के हमलों पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा, 'आवारा कुत्तों के किसी हमले में चोट या मौत होती है, तो नगर निकाय के साथ ही डॉग फीडर्स की जिम्मेदारी भी तय की जा सकती है।' कोर्ट ने कहा- पिछली सुनवाई की हमारी टिप्पणियों को मजाक समझना गलत होगा। हम गंभीर हैं। कोर्ट जिम्मेदारी तय करने से पीछे नहीं हटेगा क्योंकि मौजूदा व्यवस्था में स्थानीय प्रशासन की विफलता सामने आई है। जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की बेंच ने कहा- कोर्ट निजी पक्षों की दलीलें पूरी करके आज ही सुनवाई खत्म करना चाहती है। इसके बाद राज्यों को एक दिन का मौका दिया जाएगा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी के वकील राजू रामचंद्रन से सवाल किया कि आप कोर्ट को संयम बरतने का कह रहे है, लेकिन क्या आपने देखा है।

आपकी मुवक्किल (मेनका गांधी) किस तरह के बयान दे रही हैं? उनके पॉडकास्ट और बॉडी लैंग्वेज तक पर सवाल उठते हैं। कोर्ट ने कहा कि मेनका गांधी ने अदालत के आदेशों को लेकर बिना सोचे-समझे टिप्पणियां की हैं, जो अवमानना के दायरे में आती हैं। हालांकि बेंच अपनी उदारता के चलते कोई कार्यवाही शुरू नहीं कर रही है। जस्टिस संदीप मेहता ने सवाल किया कि जब मेनका गांधी केंद्रीय मंत्री थीं, तब उन्होंने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए किस तरह का बजटीय प्रावधान तय किया। इस पर रामचंद्रन ने कहा- बजट नीति का विषय है। उन्होंने अजमल कसाब जैसे मामलों में भी पैरवी की है।

रामचंद्रन की टिप्पणी पर जस्टिस विक्रम नाथ ने सख्त लहजे में कहा- अजमल कसाब ने अदालत की अवमानना नहीं की थी, लेकिन आपकी मुवक्किल ने की है। मेरा कहना है कि इलाज से बेहतर रोकथाम है। हम जानवरों को नहीं, इंसानों को शिक्षित कर सकते हैं। बचपन से ही लोगों को यह सिखाया जा सकता है कि ऐसी स्थितियों से कैसे निपटना है। मेरी मुवक्किल एक बाल अधिकार कार्यकर्ता हैं और वकील भी। किसी बच्चे के साथ हर डॉग बाइट की घटना में राज्य की जिम्मेदारी निभाने में चूक साफ दिखाई देती है।

यूपी में टीईटी-टीजीटी, पीजीटी एग्जाम की नई तारीखों का ऐलान

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPESSC) ने मंगलवार को चार बड़ी परीक्षाओं की नई तारीखों का ऐलान कर दिया है। आयोग अध्यक्ष और पूर्व DGP डॉक्टर प्रशांत कुमार ने बताया- TET, TGT, PGT और असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा अप्रैल से जुलाई के बीच होंगी। दो हफ्ते पहले योगी सरकार ने 2022 की असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा रद्द कर दी थी। अब असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती परीक्षा 18 व 19 अप्रैल को होगी। PGT भर्ती परीक्षा 9 व 10 मई और TGT भर्ती परीक्षा 3 व 4 जून को होगी। इसी तरह UP TET परीक्षा 2, 3 व 4 जुलाई को कराई जाएगी। UP TET 2026 का नोटिफिकेशन जल्द जारी किया जाएगा। इसके विस्तृत कार्यक्रम व आवेदन प्रक्रिया संबंधी सूचना के लिए अलग से जारी की जाएगी। दरअसल, यूपी STF को असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा में धांधली और अवैध धन वसूली का पता चला था। STF ने आउटसोर्स के एक कर्मचारी को गिरफ्तार किया था। ठगों ने फर्जी पेपर बनाकर अभ्यर्थियों से वसूली की थी। CM योगी ने जांच के आदेश दिए थे। सरकार ने धांधली के आरोप लगने के बाद इस परीक्षा को रद्द कर दिया था। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग (UPHESC) ने 33 विषयों में असिस्टेंट प्रोफेसर के 910 पदों के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था। एक लाख से ज्यादा आवेदन आए थे। आयोग अध्यक्ष ने बताया- 16 और 17 अप्रैल 2025 को प्रस्तावित असिस्टेंट प्रोफेसर परीक्षा को पहले स्थगित कर दिया गया था। अब उस परीक्षा को नए सिरे से अप्रैल 2026 में आयोजित करने का निर्णय लिया गया है। परीक्षा से संबंधित परीक्षा केंद्र, पाली और प्रवेश पत्र की जानकारी उम्मीदवारों को अलग से समय पर उपलब्ध कराई जाएगी। परीक्षा कैलेंडर जारी होने के बाद लाखों अभ्यर्थियों को अपनी तैयारी को अंतिम रूप देने का मौका मिल गया है। लंबे समय से भर्ती प्रक्रिया का इंतजार कर रहे उम्मीदवारों में इस घोषणा के बाद उत्साह देखा जा रहा है। आयोग ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे किसी भी अपडेट के लिए केवल आधिकारिक वेबसाइट पर ही भरोसा करें। इसके पहले यूपी टीईटी की परीक्षा 28 नवंबर 2021 को लीक हो जाने के कारण निरस्त कर दी गई थी।

सभी राज्यों की एसआईआर प्रोसेस अलग : चुनाव आयोग

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन(SIR) प्रक्रिया में जिनके नाम कटे हैं, अभी तक किसी की तरफ से कोई शिकायत नहीं मिली है। SIR की सुनवाई के दौरान आयोग ने कहा कि पश्चिम बंगाल जैसे किसी एक मामले के तथ्यों को उठाकर उन्हें किसी दूसरे राज्य की SIR प्रक्रिया पर लागू करना गलत होगा, क्योंकि हर जगह प्रक्रिया अलग रही है।

आयोग ने जबरदस्ती या अत्यधिक जांच के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि किसी भी स्तर पर पुलिस शामिल नहीं थी। केवल BLO ने ही घर घर जाकर प्रक्रिया पूरी की है। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया।

कहा कि वे 10 दिन में अपने डॉक्यूमेंट्स चुनाव आयोग को पेश करें। कोर्ट ने कहा चुनाव आयोग गड़बड़ी वाली वोटर लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक तौर पर लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके। चुनाव आयोग ने SC में कहा था- SIR के तहत आयोग सिर्फ यह तय करता है कि कोई व्यक्ति वोटर लिस्ट में रहने के योग्य है या नहीं। इससे सिर्फ नागरिकता वेरिफाई की जाती है।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई–निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि दिनांक **10.02.2026** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुयल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा।

1	निविदा सूचना संख्या	00802026 दिनांक 19.01.2026
2	निविदा संख्या	33-SrDEN-I-LKO-2025-26
3	कार्य का नाम : सहायक मंडल इंजीनियर–प्रथम/लखनऊ के खंड में आलमनगर–उतरेटिया बाईपास खंड पर स्थित पुल संख्या 13 एवं 59 का पुनर्वास कार्य जिसमें चिनाई की जैकेटिंग तथा बेड ब्लॉक का प्रतिस्थापन शामिल है।	
4	अनुमानित लागत	रु० 1,63,55,966.20
5	धरोहर राशि	रु० 231800.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से छः माह
7	निविदा डालने की प्रारंभ तिथि	27.01.2026
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	10.02.2026 15:00 बजे
9	वेबसाइट	www.ireps.gov.in

नोट :– निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। **207/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई-निविदा नोटिस

निम्नलिखित कार्य के लिए उप. मुख्य विद्युत अभियंता, निर्माण, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निविदा संख्या 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 IREPS की वेबसाइट यानी https://**www.ireps.gov.in** पर समापन तिथि 12.02.2026 समय (11.30Hrs.) एक पैकेट प्रणाली के तहत 'ई–टेंडर' आमंत्रित किया जाता है।

NIT संख्या: 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक 19.01.2026

निविदा संख्या: 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26

कार्य का नाम : उत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल के अंतर्गत अचलगंज हाल्ट को क्रॉसिंग स्टेशन में परिवर्तित करने तथा लखनऊ (चारबाग वर्कशॉप) में वंदे भारत (16 कोच) के लिए पिट लाइन परीक्षण हेतु शेड क्षमता का सृजन तथा उत्तरेठिया स्टेशन पर अतिरिक्त लूप लाइन के प्रावधान के सम्बंध मे 25 केवी, 50 हर्ट्ज एकल फेज एसी ओएचई का डिज़ाइन, आपूर्ति, स्थापना (एरेक्शन), परीक्षण एवं कमीशनिंग

निविदा प्रपत्र लागत: कुछ नहीं।

लगभग निविदा मूल्य: रु.5,99,54,219.19 (रुपये पाँच करोड़ निन्यानवे लाख चौवन हजार दौ सौ उन्नीस रुपये और उन्नीस पैसे मात्र)

बोली सुरक्षा: रु.4,49,800/-

समापन की अवधि: 18 माह

ऑफर की वैधता: 60 दिन

IREPS वेबसाइट पर विज्ञापित निविदा दिनांक: 19.01.2026

जिस तिथि तक ठेकेदार अद्यतन/परिशिष्ट/संशोधित तिथि नोट कर सकता है: 29.01.2026

निविदा प्रस्तुत करने की समाप्ति तिथि और समय: 12.02.2026 (11.30Hrs.)

पात्रता मापदंड: निविदा दस्तावेज के अनुसार।

ध्यान दें: (i) ठेकेदार को प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय IREPS वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर अपलोड किए जाने वाले निविदा दस्तावेज के अनुसार आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करना होगा। **(ii)** सभी प्रतिभागी ठेकेदार अपने निविदा प्रस्ताव के साथ अपने आवश्यक दस्तावेज जमा करेंगे। "अतिरिक्त दस्तावेज जमा करने के लिए कोई भी पोस्ट टेंडर पत्राचार तकनीकी और वाणिज्यिक प्रस्ताव खोलने के बाद विचार नहीं किया जाएगा। यहां तक कि निविदाओं के सू–मोटो पोस्ट टेंडर पत्रों को अशक्त और शून्य माना जाएगा।"

टेंडर नोटिस www.ireps.gov.in की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

No. 149-Dy.CEE-C-LKO-2025-26 दिनांक: 19.01.2026 **199/2026**

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यालय. ग्राम पंचायत रिछला वि0खं0 सूरतगंज जनपद बाराबंकी

पत्रांक मेमो/निविदा 2025 -26 दिनांक 20/01/2026

निर्माण सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा सूचना

ग्राम पंचायत रिछला विकासखंड सूरतगंज जनपद बाराबंकी में वित्तीय वर्ष 2025- 26 हेतु मनरेगा/महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना अंतर्गत स्वीकृत कार्य योजना में ग्राम पंचायत में।

क्र.स.	कार्य का नाम	सामग्री विवरण
1	गौशाला में विकास कार्य निर्माण कार्य	सीधा तामडा ईंटा 3590 नाग, सीमेंट 41 बोरी मौरंग 4.31 घन मी , बालू 2.18 घन मी, 40 एमएम ईटागिट्टी 4.36 घन मी, ईंटा अव्वल 5894 नग।
2	राम खेलावन के घर से राजेंद्र के घर तक इंटरलॉकिंग कार्य	40 एमएम ईंटा गिट्टी 15.71 घन मी, सीमेंट 86 बोरी, बालू 7.86 घन मी, मौरंग 7 घन मी, अव्व्ल ईंटा 8993 नग, इंटरलॉकिंग ईंट 3020 नग, लोकल बालू 6.13 घन मी।

हेतु प्राप्त वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति के सापेक्ष स्वीकृति प्राक्कलन के अनुसार निर्धारित तकनीकी विशिष्टियों के अनुरूप सामग्री संदर्भित कार्यस्थल पर आपूर्ति हेतु इच्छुक फॉर्म से निविदा आमंत्रित की जाती है निविदा प्रपत्र 21.01 .2026 से 04.02.2026 तक ग्राम पंचायत कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा उसी दिन दिनांक 04.02.2026 को दोपहर 1 बजे तक ग्राम पंचायत कार्यालय पंचायत भवन में स्थापित निविदा पेटी में डाली जाएगी तथा उसी दिन दोपहर 3 बजे ग्राम पंचायत कार्यालय में ग्राम प्रधान/ ग्राम सचिव /निविदा समिति के समक्ष खोली जाएगी।

सीता देवी
प्रधान

विभा गुप्ता
सचिव

कार्यालय नगरपालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

संख्या:- 4122/न०पा०प०अ०/2025-26 (निर्माण) दिनांक:- 19.01.2026

अतिअल्पकालीन पुनः ई-निविदा (Retender) सूचना

नगर पालिका परिषद अकबरपुर-अम्बेडकरनगर के द्वारा स्वायत्त निकाय/ पब्लिक सेक्टर विभाग /राज्य सरकार / केन्द्र सरकार/अन्य सरकारी विभाग में A/B/C/D/E श्रेणी (जैसा लागू हो) में कार्य की लागत के सीमा के अनुरूप पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रतिशत दर के आधार पर ₹15वां वित्त आयोग (निर्दिष्ट / बुनियादी अनुदान)₹ के अन्तर्गत कार्यालय पत्र संख्या-3287/ न०पा०प०अ०/2025-26 (निर्माण) दिनांक-02.12.2025 के द्वारा 31 निर्माण कार्यों की ई-निविदा आमंत्रित की गयी थी, जिसमें 15वां वित्त आयोग (निर्दिष्ट अनुदान) मद के अन्तर्गत कार्य सं0-6, 8, 11 व 15वां वित्त आयोग (बुनियादी अनुदान) मद के अन्तर्गत कार्य सं0-16, 17 की बिड निविदा शर्तों के अनुरूप न होने एवं 15वां वित्त आयोग (निर्दिष्ट अनुदान) मद के अन्तर्गत कार्य सं0-3, 4, 10 व 15वां वित्त आयोग (बुनियादी अनुदान) मद के अन्तर्गत कार्य सं0-14, 25, 26, 30 पर कोई भी बिड प्राप्त न होने के कारण उक्त कार्य की पुनः ई-निविदा (Retender) आमंत्रित की जाती है। निविदा की शर्तें पूर्ववत् रहेंगी। निविदादाता किसी एक कार्य अथवा सभी कार्यों के लिए निविदा दे सकता है।

1. कार्य का विवरण वेबसाइटः-https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन कर देखा जा सकता है।
2. वेबसाइट पर बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता की तिथि-20.01.2026 से 21.01.2026 तक
3. ई-निविदा के माध्यम से निविदा प्राप्ति के लिए अन्तिम तिथि / समय दिनांक 21.01.2026 को दोपहर 12:00 बजे तक।
4. ई-निविदा के माध्यम से निविदा खोलने की तिथि / समय दिनांक-21.01.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक।
5. निविदा आमंत्रणकर्ता को आईटीबी के क्लॉज 9 के अनुसार परिशिष्ट / शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, जो किसी भी समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जायेगा। सभी संभावित निविदादाताओं को सलाह दी जाती है कि वह नियमित रूप से ई-निविदा पोर्टल की निगरानी रखें।
6. अधिक जानकारी के लिए कृपया वेबसाइट-https://www.etender.up.nic.in पर लॉगइन करें तथा बिड डाक्यूमेंट को डाउनलोड करें।

अधिशाषी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
अकबरपुर-अम्बेडकरनगर

हजरतगंज चौराहे पर डायवर्जन से लखनऊ जाम

कैंट और कैसरबाग इलाके में वाहनों की लंबी कतार, गाड़ियां छोड़ पैदल गए स्कूली बच्चे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चल रहे 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों और 62वें विधानसभाओं/विधान परिषदों के सचिवों के सम्मेलन के चलते शहर की यातायात व्यवस्था पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गई है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज क्षेत्र में किए गए व्यापक ट्रैफिक डायवर्जन का सीधा असर आम लोगों की दिनचर्या पर पड़ा, जिससे शहर के कई प्रमुख इलाकों में घंटों जाम की स्थिति बनी रही। सबसे ज्यादा परेशानी स्कूली छात्रों, अभिभावकों और रोजमर्रा के यात्रियों को झेलनी पड़ी। सम्मेलन के कारण हजरतगंज इलाके में यातायात प्रतिबंध लगाए गए, जिसके चलते कैसरबाग, उसके आसपास के इलाकों और कैंट सदर क्षेत्र में लंबा जाम लग गया। सुबह से ही इन क्षेत्रों में वाहनों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। हजरतगंज चौराहे से सिविल अस्पताल और मुख्यमंत्री आवास की ओर जाने वाली सड़कों पर भी भीषण जाम लग गया, जिससे लोगों को एक से दो घंटे तक फंसे रहना पड़ा। ट्रैफिक जाम का सबसे ज्यादा असर स्कूली छात्रों पर पड़ा। कई स्कूल वाहन जाम में फंसे रहे, जिससे छात्रों को समय पर स्कूल पहुंचने में भारी दिक्कत हुई।

इमरजेंसी सेवाओं को राहत

ट्रैफिक पुलिस ने स्पष्ट किया है कि विधान भवन में कार्यक्रम के दौरान आम यातायात के लिए तय किए गए डायवर्जन मार्ग लागू रहेंगे। हालांकि, किसी भी आपात स्थिति में राहत दी जाएगी। यदि किसी व्यक्ति को तत्काल चिकित्सा सहायता की आवश्यकता हो और कोई वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध न हो, फायर ब्रिगेड और शव वाहन को ट्रैफिक या स्थानीय पुलिस की अनुमति से प्रतिबंधित मार्ग से भी गुजरने की इजाजत दी जाएगी। इसके लिए ट्रैफिक कंट्रोल नंबर 9454405155 जारी किया गया है, जिस पर संपर्क कर सहायता ली जा सकती है।

> शहर में घंटों चले जाम के कारण आम लोगों में नाराजगी देखने को मिली। ऑफिस जाने वाले कर्मचारियों, व्यापारियों और मरीजों को भी भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोगों का कहना है कि बड़े आयोजनों के दौरान ट्रैफिक डायवर्जन की जानकारी समय रहते और व्यापक स्तर पर दी जानी चाहिए, ताकि लोग वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल कर सकें।

हजरतगंज में डायवर्जन से बढ़ा वाहनों का दबाव

शहर का मुख्य चौराहा हजरतगंज है। यहां पर किए गए डायवर्जन के बाद वैकल्पिक मार्गों पर ट्रैफिक का दबाव बढ़ गया। इसके बाद प्रभात सिनेमा के आसपास, कैंट मॉल एवेन्यू समेत कैसरबाग, गोलागंज में जाम लग गया। खासतौर पर कैंट माल एवेन्यू न्यू और सदर फ्लाईओवर के पास जाम की स्थिति बन गई।

निकाह के लिए मोबाइल टावर पर चढ़ा युवक

कहा- लड़की मैंने देख ली है, निकाह करा दो

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में एक युवक एक लड़की से निकाह कराने की जिद लेकर 150 फीट ऊंचे टावर पर चढ़ गया। वहां से लड़की का नाम लेकर चिल्लाने लगा कि उससे मेरा निकाह करा दो। युवक के टावर पर चढ़ने की सूचना पर पुलिस पहुंच गई। पुलिसवाले उसे समझाने लगे, लेकिन वह उतर नहीं रहा था। घटना पीजीआई कैंपस की है। मंगलवार सुबह इरशाद खान नाम का युवक मोबाइल फोन टावर पर चढ़ गया। पहुंची पुलिस ने एहतियातन टावर के आसपास के क्षेत्र को घेर लिया। लोगों को वहां जाने से रोका। यह ड्रामा देखने के लिए लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस करीब 1 घंटे तक उसे समझाती रही। युवक PGI इलाके में रहता है। PGI कैंपस सहित आसपास के गांवों में वह जंगली जीवों का रेस्क्यू करता है।

वह कई बार कैंपस के अंदर ही निकले अजगर, बिज्जू आदि का रेस्क्यू कर चुका है। पिछले साल अस्पताल परिसर में ही अजगर निकला था जिसे इरशाद ने रेस्क्यू किया था। अजगर करीब 10 फीट लंबा था। इसी 4 जनवरी को PGI के पल्मोनरी वार्ड बिल्डिंग की तीसरी मंजिल पर स्थित वेटिंग हॉल में जंगली बिल्ली (बिज्जू) दिखी थी। उसे पकड़ने के लिए लोगों ने इरशाद को बुलाया था। इरशाद ने बिल्ली को बिना किसी नुकसान के सुरक्षित पकड़ लिया।

फास्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा में हंगामा

कानपुर। कानपुर में मंगलवार को दिल्ली पुलिस भर्ती परीक्षा के दौरान जमकर हंगामा हुआ। सर्वर फॉल्ट के चलते सुबह पहली शिफ्ट की परीक्षा रद्द कर दी गई। इससे नाराज अभ्यर्थियों ने कॉलेज परिसर में तोड़फोड़ कर दी। सर्वर रूम में घुसकर छात्रों ने कंप्यूटर, कांच, दरवाजे, कुर्सियां, वायर तोड़ दिए नाराज छात्रों ने बताया- पहली शिफ्ट की परीक्षा सुबह 9 बजे से थी।

कुएं में 10 साल के बच्चे की गिरकर मौत

आगरा। आगरा में नानी की साड़ी बांधकर साइकिल निकालने कुएं में उतरे 10 साल के बच्चे की गिरकर मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे की डेडबॉडी 24 घंटे बाद कुएं से निकाली। इस दौरान उसकी कमर में साड़ी बंधी हुई थी। शव मिलने पर परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। बताया गया कि साथियों के बहकावे में आकर वह साइकिल निकालने के लिए कुएं में उतरा था। पूरा मामला बाह तहसील के बसौनी की है। बसौनी के पुरोहितनपुरा के रहने वाले मामा रामधुन ने बताया- मेरी बहन का बेटा सनी मेरे घर पर ही रहकर पढ़ाई करता है। उसके पापा-मम्मी बाह के पार्वतीपुरा में रहते हैं। सनी रविवार की दोपहर में घर से निकला था। लेकिन वो शाम तक घर नहीं लौटा। इसके बाद परिवार के लोगों को चिंता हुई।

मंत्री सचान के बंद कॉलेज में बच्ची की लाश मिली

कानपुर। कानपुर में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान के बंद पड़े डिग्री कॉलेज में 9 साल की बच्ची की लाश मिली है। बच्ची क्लासरूम में दुपट्टे के फंदे से लटकी हुई थी। कमरे में टीवी चल रही थी। चौकीदार ने शव देखकर पुलिस को सूचना दी। फोरेंसिक टीम ने सबूत जुटाए। बाबा बैजनाथ डिग्री कॉलेज 2016 से बंद है।बच्ची नानी के साथ इसी कॉलेज में रहती थी। घटना के बाद से नानी फरार है। वैष्णवी उर्फ रानी प्राइमरी स्कूल में क्लास-2 में पढ़ती थी।

अपर्णा यादव के घर के बाहर सन्नाटा छाया

चंद कदम पर सपा ऑफिस में सांसदों की मीटिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। अखिलेश यादव के सौतेले भाई प्रतीक के इंस्टाग्राम पर अपनी पत्नी अपर्णा के खिलाफ किए गए पोस्ट 24 घंटे बाद भी लगे हुए हैं। वहीं, इन 2 पोस्ट के बाद से अपर्णा के घर के बाहर सन्नाटा छाया है। घर पर उनके मुख्य सुरक्षा अधिकारी मौजूद हैं, इससे कयास लगाए जा रहे हैं कि अपर्णा घर के अंदर ही हैं। घर से चंद कदम दूर पर स्थित सपा ऑफिस में पार्टी के सांसदों की बैठक भी चल रही है। प्रतीक यादव के दोनों इंस्टाग्राम पोस्ट पर कुल 54 हजार से ज्यादा लाइक और करीब 2 हजार कॉमेंट आ चुके हैं। यादव सरनेम वाले यूजर्स उनके इस पोस्ट को सही ठहरा रहे हैं। वहीं, नगीना सांसद चंद्रशेखर

रावण की गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी ने एक्स पर प्रतीक यादव को अंधा लिखा है। पारिवारिक सूत्रों के मुताबिक, प्रतीक ने खुलेआम तलाक का ऐलान जरूर किया लेकिन, दोनों के रिश्तों में खटास 3 साल पहले यानी 2022 से आ गई थी, जब प्रतीक की मर्जी के खिलाफ अपर्णा ने अचानक भाजपा जॉइन कर ली थी। प्रतीक ने 5 फरवरी 2025 को भी अपर्णा के खिलाफ सोशल मीडिया पर 3 पोस्ट किए थे, लेकिन बाद में उसे डिलीट कर दिया। उन्होंने लिखा था- प्रतीक की इंस्टाग्राम पोस्ट के बाद अपर्णा और प्रतीक किसी का फोन नहीं उठा रहे हैं। संवाददाता ने अपर्णा के भाई को कॉल किया तो उन्होंने कहा- हो सकता है अकाउंट हैक हुआ हो।

वह पूरे मामले में जल्द बयान जारी करेंगे। वहीं, अखिलेश और सपा का इस पूरे मामले में कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है। अपर्णा का परिवार मूल रूप से उत्तराखंड का रहने वाला है। नाम अपर्णा बिष्ट था। शादी के बाद अपर्णा बिष्ट यादव रख लिया। अपर्णा के पिता जर्नलिस्ट थे, बाद में राज्य सूचना आयुक्त बने। जबकि मां अम्बी बिष्ट लखनऊ विकास प्राधिकरण में संपत्ति अधिकारी रहीं हैं।

बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार

बैलेंस चेक कराने के लिए ब्रांच में लगी भीड़, कई लोगों के खाते से रुपए गायब

- शिवा राव के बैंक अधिकारियों से अच्छे संपर्क थे। मैनेजर के केबिन में बिना रोकटोक आता-जाता था।
- लोगों का आक्रोश एक बार फिर फूटा। 16 तारीख को फिर से बैंक में हंगामा किया।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में लोगों की फर्जी FD करने वाले बैंक मित्र का सहयोगी भी गिरफ्तार हो गया है। वह बैंक ब्रांच में सबको चाय पिलाता था। यहीं से उसकी बैंक अधिकारियों से जान-पहचान हुई। उसने बैंक मित्र शिवा का सहयोग किया। लोगों की FD उसी से करवाई। शिवा ने इन हड़पे पैसों से राजाजीपुरम में आलीशान घर बनवा रखा है। मामला पारा थाना क्षेत्र के डॉ. शकुंतला मिश्रा यूनिवर्सिटी स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा की ब्रांच का है। कई लोगों के रुपए खाते से

गायब होने और फर्जी FD की सूचना मिलने के बाद ब्रांच में सभी खाताधारक लगातार पहुंच रहे हैं। मंगलवार को यहां भीड़ देखने को मिली। अपने लाइन में लगकर केवल अपना बैलेंस चेक करवा रहे हैं। पारा पुलिस ने बैंक मित्र शिवा को 19 जनवरी को गिरफ्तार किया था। उसका सहयोगी रहा पूर्व सिक्योरिटी गार्ड भी पकड़ा गया। वह सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी जाने के बाद ब्रांच में सबको चाय पिलाने लगा था। उससे 2.38 लाख रुपए नकद और बैंक से जुड़े कई महत्वपूर्ण दस्तावेज बरामद किए गए हैं। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि मुख्य आरोपी शिवा ने करीब डेढ़ करोड़ रुपए का आलीशान मकान बना रखा है, जिसकी जांच अब तेज कर दी गई है। पारा थाना प्रभारी इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक, शकुंतला विश्वविद्यालय परिसर स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा में शिवा राव बैंक मित्र के तौर पर काम करता था। करीब 2 दर्जन लोगों ने 12 जनवरी को बैंक परिसर में आकर हंगामा कर दिया था। उसके बाद पारा थाने में लिखित शिकायत भी दी थी।

उसके बाद पुलिस ने FIR दर्ज करते हुए शिवा को बैंक से ही गिरफ्तार कर लिया गया। उसके सहयोगी दुबग्गा के दौलतखेड़ा के दिलीप कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। दिलीप बैंक परिसर के एटीएम बूथ में सिक्योरिटी गार्ड था। 2019 में नौकरी से हटाए जाने के बाद भी दिलीप बैंक परिसर में चाय पिलाने और बैंक खोलने-बंद करने जैसे काम करता रहा। इसी दौरान दोनों ने मिलकर ठगी की साजिश रची पुलिस के अनुसार, वर्ष 2020 से शिवा ने ग्राहकों को जाली एफडी देना शुरू कर दिया। इस फर्जीवाड़े में दिलीप ने नकली दस्तावेज तैयार करने और रकम के लेन-देन में अहम भूमिका निभाई। ठगी से जुड़े सबूत शिवा के मोबाइल में मौजूद थे, जिसे उसने तोड़ दिया था। पुलिस ने मोबाइल डेटा रिकवरी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। वहीं, दिलीप के मोबाइल से भी संदिग्ध ट्रांजैक्शन के सबूत मिले हैं।

परिवार के 4 लोगों की हत्याकर जान दी

पत्नी, दो बेटे और मां के माथे पर गोली मारी

तमसा संकेत, एजेंसी

सहारनपुर। सहारनपुर में सरकारी अमीन ने पत्नी, दो बेटों और मां के माथे में गोली मारकर हत्या कर दी। फिर खुद के सीने और माथे पर गोली मारकर सुसाइड कर लिया। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने अपनी बहन को एक मैसेज और ऑडियो क्लिप भेजी। इसमें उसने कहा- वह परिवार की हत्या कर चुका है। अब खुद भी जान देने जा रहा है। पति और पत्नी का शव चारपाई पर, जबकि मां और दोनों बच्चों के शव बेड पर पड़े थे। अमीन के पास तीन तमंचे पड़े मिले। वारदात का पता उस वक्त चला, जब बहनोई ने कई बार कॉल किया। फोन नहीं उठा तो उसने बेटे को घर भेजा। बेटे ने

दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद खिड़की तोड़कर अंदर गया, जहां सभी के शव पड़े मिले। सूचना पर डीएम मनीष बंसल और SSP आशीष तिवारी मौके पर पहुंचे। आसपास के लोगों से पूछताछ में पता चला कि सिंचाई विभाग में तैनात अमीन अशोक डिप्रेशन में था। चंडीगढ़ में उसका इलाज चल रहा था। SSP का कहना है कि शुरुआती जांच में सामने आया है कि अमीन ने पहले परिवार के लोगों को गोली मारी और फिर खुद को गोली मार ली।

कार्यवाई : मां रोने लगी, बोली- फांसी हो, 26 महीने पहले बर्थडे पर रची मर्डर की कहानी

कुशाग्र हत्याकांड : ट्यूशन टीचर-प्रेमी और दोस्त दोषी करार

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 16 साल के कुशाग्र कनोडिया की किडनैपिंग और हत्या के मामले में मंगलवार को अदालत ने तीनों आरोपियों को दोषी करार दिया। अपर जिला जज 11 सुभाष सिंह की अदालत ने तय किया कि ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रेमी प्रभात शुक्ला और उसके दोस्त आर्यन ने मिलकर कुशाग्र की हत्या की थी। अदालत में जज की इन बातों को सुनकर कुशाग्र की मां बेटे को याद कर रोने लगीं। बोलीं- बेटे के हत्यारों को फांसी हो। 30 अक्टूबर 2023 को हाईस्कूल के छात्र कुशाग्र कनोडिया की कोचिंग जाते समय अपहरण कर हत्या कर दी गई थी। इस हत्या में ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, उसके प्रेमी प्रभात शुक्ला और सहयोगी शिवा गुप्ता को गिरफ्तार किया गया था। पूरे मामले में अभियोजन पक्ष की ओर से 14 गवाह पेश किए गए । 13 जनवरी को

> गार्ड राजेंद्र ने कुशाग्र की मां सोनिया कनोडिया को बताया कि स्कूटी रचिता की थी, जिस पर परिजन रचिता के घर पहुंचे, जहां वो घबराई हुई बाहर आई। बोली कि मैंने कुछ नहीं किया भाभीङ्क इस पर परिजनों ने स्कूटी के बारे में पूछा। रचिता ने कहा- मेरी स्कूटी प्रभात लेकर गया था।

आखिरी सुनवाई हुई थी। अब 22 जनवरी को कोर्ट फैसला सुनाएगी। आचार्य नगर निवासी कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया का बेटा जयपुरिया में हाईस्कूल में पढ़ने वाला कुशाग्र 30 अक्टूबर की शाम 4 बजे स्कूटी से कोचिंग के लिए निकलता है। रास्ते में उसे ट्यूशन टीचर रचिता वत्स का प्रेमी प्रभात मिल जाता है। वह उसे बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गया। इसके बाद दोनों ओमनगर में इंद्र कुटी हाता स्थित प्रभात के घर पहुंचे। प्रभात आगे-आगे चल रहा था, उसके पीछे-पीछे हेलमेट पहने कुशाग्र जा रहा था। इसी के बगल वाले कमरे में रचिता रुकी थी, जब कुशाग्र प्रभात के घर पहुंचा, तो रचिता भी वहां आ गई।

फिर प्रभात शुक्ला कुशाग्र को एक स्टोरनुमा कमरे में बहाने से लेकर गए और प्रभात की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के दौरान

स्कूटी रचिता की थी, घर पहुंचे कुशाग्र के परिजन

परिजन पुलिस के साथ इंद्रकुटी हाता पहुंचे, तलाशी ली गई, जहां प्रभात के घर के बाहर बने कमरे से कुशाग्र की डेड बॉडी बरामद की गई थी। पुलिस ने तीनों आरोपियों को लेकर सख्ती से पूछताछ की। रचिता ने बताया कि उसे प्रभात से शादी करनी थी। पैसों की जरूरत थी, जिस कारण उसने कुशाग्र के अपहरण की योजना बनाई थी। अपहरण की फिरौती से अमीर बनना था।

पृष्ठ 01 का शेष...

नितिन नबीन की...

महाराष्ट्र के निकाय चुनावों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा, मैं आपको महाराष्ट्र चुनाव के नतीजों का उदाहरण दूंगा... महाराष्ट्र में हम निकाय चुनाव जीतने के बाद जश्न में डूबे नहीं, बल्कि मैं तो अभी पढ़ रहा था कि उसी दिन से हमारे महाराष्ट्र के कार्यकर्ता आने वाले पंचायत के चुनावों की तैयारियों के लिए बैठक शुरू कर दी थी.

ये सब समझाते हुए मोदी ने नितिन नबीन की जी भर प्रशंसा की भी की. बोले, आज भाजपा परिवार को अपना नया मुखिया मिला है... ऊर्जावान मुखिया मिला है... अनुभवी मुखिया मिला है.

मोदी ने कहा, नितिन नबीन जी मेरे बॉस हैं, और मैं कार्यकर्ता हूं.

जेन-ज़ी के प्रभाव वाले दौर में मोदी ने कहा, नितिन जी उस पीढ़ी से हैं जिन्होंने बचपन में रेडियो पर खबरें सुनीं... और आज एआई का इस्तेमाल करते हैं... युवा ऊर्जा और संगठन का लंबा अनुभव दोनों मौजूद हैं.

पश्चिम बंगाल और...

विधानसभा हो या स्थानीय निकाय बीजेपी की स्ट्राइक रेट अभूतपूर्व रही है. इस दौरान देश में छह राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए हैं. इनमें से चार चुनाव बीजेपी, एनडीए ने जीते हैं. आज भाजपा सिर्फ संसद और विधानसभा की नहीं बल्कि नगर पालिकाओं और नगर निगमों में भी पहली पसंद है. और, इसका ताजा उदाहरण अभी-अभी हमारा महाराष्ट्र है. हाल में जो मेयर और पार्षदों के चुनाव परिणाम सामने आए हैं, अभूतपूर्व है.

बीजेपी कैसे पंचायत चुनाव नतीजों में विधानसभा चुनाव की झलक देख रही है, मोदी ने नितिन नबीन को ये भी अपनी स्टाइल में समझाया. बोले, केरल में भी आज बीजेपी के करीब 100 पार्षद हैं... केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम की जनता ने मेयर चुनाव में 45 साल बाद लेफ्ट से सत्ता छीनी और भाजपा पर भरोसा किया... मुझे पूरा विश्वास है कि आने वाले विधानसभा चुनावों में भी लोग केरल में बीजेपी को अवसर जरूर देंगे.

असम में भीड़ ने घरों...

हादसे के बाद कार सवार लोगों को आस-पास के आदिवासी ग्रामीणों ने पीटा और गाड़ी में आग लगा दी। इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, फायर और इमरजेंसी सर्विसेज की टीम मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया। हालांकि, कोकराझार और आसपास के इलाकों में अब भी तनाव का माहौल है।

पुलिस ने कुछ लोगों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

विधानसभाओं में ...

श्री बिरला ने विधायकों की शैक्षणिक योग्यताओं एवं पेशेवर अनुभवों को पहचानकर उनका रचनात्मक उपयोग करने की श्री महाना की पहल की भी सराहना की।

पूर्ववर्ती AIPOC सम्मेलनों के प्रमुख विमर्शों को स्मरण करते हुए श्री बिरला ने उत्कृष्टता, नवाचार तथा प्रौद्योगिकी के उपयोग जैसे मानकों पर राज्य विधायिकाओं के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की आवश्यकता पर बल दिया। इस संदर्भ में देहरादून में 2019 में आयोजित AIPOC में हुई चर्चाओं का उल्लेख करते हुए उन्होंने राज्य विधायिकाओं की कार्यकुशलता एवं कार्यप्रणाली में सुधार पर अपने दीर्घकालिक दृष्टिकोण को दोहराया। उन्होंने बताया कि इस दिशा में एक समिति का गठन किया गया है, जो भारत में विधायी निकायों की प्रक्रियाओं एवं प्रथाओं के मानकीकरण से संबंधित मुद्दों पर विचार कर रही है।

एआई की भूमिका...

संसद में एआई के व्यावहारिक उपयोग एवं इसके क्रियान्वयन के विभिन्न तरीकों को रेखांकित करते हुए, उन्होंने संसद और राज्य विधान मंडलों के बीच अधिक समन्वय किये जाने की आवश्यकता पर बल दिया, जिससे विधान मंडलों के संस्थागत ज्ञान का उपयोग संसद तथा राज्य विधान सभाओं, दोनों के द्वारा प्रभावी रूप से किया जा सके।

मोदी गरीबों को भूखा ...

राहुल ने मंगलवार सुबह कांग्रेस और सपा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, फिर रायबरेली प्रीमियर लीग टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने टीमों के खिलाड़ियों से मुलाकात की। टॉस के लिए सिक्का भी उछाला। इसके बाद राहुल ने चौपाल लगाई और मनरेगा मजदूरों से बात की।

राहुल सोमवार देर रात रायबरेली पहुंचे थे। लोकसभा चुनाव 2024 के बाद राहुल गांधी अब तक 5 बार रायबरेली आ चुके हैं। यह उनका छठा दौरा है। इससे पहले, राहुल 10 सितंबर 2025 को रायबरेली दौरे पर आए थे।

नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि मनरेगा योजना खत्म हो जाए, ताकि जो पैसा बहनों और मजदूरों को जाता है, वह सीधे अंबानी, अडाणी और बड़े-बड़े उद्योगपतियों के पास चला जाए। सामने से तो यह नहीं कर सकते, इसलिए धीरे-धीरे मनरेगा का गला घोंटा जा रहा है।

राहुल बोले- ड्राइविंग ...

राहुल गांधी ने उसे लाइसेंस को तत्काल अपने हाथ में लिया और उसकी फोटो खींचकर अपनी माता सोनिया गांधी और बहन प्रियंका गांधी को वॉट्सऐप भी किया है और अपने पास लाइसेंस रखते हुए उन्होंने कहा कि यह मेरे पुरखों की निशानी है। इसको मैं अपने घर पर लेमिनेट कराकर फोटो फ्रेम के रूप में रखूंगा।

1.56 करोड़...

इससे महिलाएं हर तरीके से सशक्त होंगी। मंत्री ने बताया कि जीविका के समुदाय की आवाज (कम्युनिटी वाइसेज कान्क्लेव) विषयक कार्यक्रम में उनके इस उद्गार का समर्थन जीविका दीदियों ने तालियों की गड़गड़ाहट से किया। ज्ञान भवन में हुए आयोजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाली जीविका दीदियों को मोमेंटो देकर सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में राज्यभर से जीविका समूह से जुड़ीं महिलाएं उपस्थित रहीं।

विभाग के प्रधान सचिव पंकज कुमार ने कहा कि रसोईघर में सुपोषित खाना बनाने के लिए महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त होना होगा। ग्रामीण विकास मंत्रालय की संयुक्त सचिव स्मृति शरण ने कहा कि बिहार की जीविका दीदियों ने देश में महिला सशक्तीकरण का बड़ा उदाहरण प्रस्तुत किया है।

राजस्व विभाग में ...

अब उन्हें उसी जमीन से गलत दस्तावेज तैयार कर बाहर कर दिया गया। जमीन की रजिस्ट्री भी कर दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि वहां तैनात तहसीलदार ने नियमों को ताक पर रखकर यह कार्रवाई की। खली ने कहा- उनके साथ-साथ अन्य लोगों को भी यह कहकर जमीन से बेदखल किया गया कि यह जमीन उनकी नहीं है। खली ने दावा किया कि अब तक लगभग 100 लोग इस कथित घोटाले का शिकार हो चुके हैं और पांवटा साहिब में कई सार्वजनिक पार्क तक बेच दिए गए हैं। इस मामले को लेकर वह इससे पहले नाहन और पांवटा साहिब में भी दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस कर चुके हैं।

खली ने बताया कि डीसी को शिकायत देने के बाद एक जांच कमेटी गठित की गई थी, लेकिन उनका आरोप है कि यह कमेटी निष्पक्ष तरीके से जांच नहीं कर रही है। उन्होंने सरकार से जांच कमेटी बदलने की मांग दोहराई।

अविमुक्तेश्वरानंद से...

यूपी के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता सुनील भराला ने कहा- जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपमान सनातन धर्म का अपमान है। कुछ दानव प्रवृत्ति के अधिकारी माघ मेला प्रयागराज तीर्थनगरी में हैं। जिन्होंने शंकराचार्य का रथ रोककर, उनके शिष्यों की चोटी पकड़कर, सनातन धर्म और हिंदुओं को अपमानित करने का काम किया है। मैं सीएम योगी से कहना चाहूंगा कि ऐसे अधिकारियों को चिह्नित करके दंडित करें।

बोलीं- घुटने की समस्या से परेशान थी, आखिरी बार 2023 में सिंगापुर ओपन में खेली थीं

3 साल से कोर्ट से दूर साइना नेहवाल का संन्यास

साइना के मुताबिक उनके घुटनों का कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है और उन्हें आर्थराइटिस हो गया है। उन्होंने कहा, 'जब आप खेल ही नहीं पा रहे तो वहीं रुक जाना चाहिए। मैं पहले दिन में 8झ9 घंटे ट्रेनिंग करती थी, लेकिन अब मेरे घुटने 1-2 घंटे में ही जवाब दे देते हैं। इसके बाद सूजन आ जाती है। इसलिए मैंने सोचा कि अब बहुत हो गया।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय बैडमिंटन की सबसे चमकदार सितारों में शुमार साइना नेहवाल ने प्रोफेशनल बैडमिंटन से संन्यास लेने की आधिकारिक घोषणा कर दी है। एक पॉडकास्ट में बातचीत के दौरान साइना ने बताया कि लंबे समय से चल रहे घुटने के दर्द के कारण अब उनके लिए प्रतिस्पर्धी बैडमिंटन खेलना संभव नहीं रह गया है। 35 वर्षीय साइना ने स्पष्ट किया कि वह जून 2023 में सिंगापुर ओपन के बाद ही पेशेवर खेल से दूर हो चुकी थीं, लेकिन अब पहली बार सार्वजनिक रूप से इस फैसले पर खुलकर बात की है। पॉडकास्ट में साइना ने कहा, "मैंने दो साल पहले ही खेलना बंद कर दिया था। मैंने अपनी शर्तों पर खेलना शुरू किया और अपनी शर्तों पर ही छोड़ा। इसलिए मुझे लगा कि अलग से घोषणा करना जरूरी नहीं है।" उन्होंने यह भी बताया कि चोट और शारीरिक सीमाओं के साथ खेलना अब उनके लिए मुश्किल हो गया था और ऐसे में उन्होंने समय रहते खुद को खेल से अलग करने का निर्णय लिया। अपने

करियर के अंतिम वर्षों में साइना नेहवाल को घुटने की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ा। कई बार सर्जरी और लंबा रिहैबिलिटेशन भी उनके खेल को पूरी तरह पटरी पर नहीं ला सका। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने लंबे समय तक वापसी की कोशिशें कीं और अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत का प्रतिनिधित्व करती रहीं। सिंगापुर ओपन 2023 उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट रहा, जिसके बाद उन्होंने कोर्ट से दूरी बना ली।

साइना ने 2008 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (इह्रा) वर्ल्ड जूनियर चैंपियनशिप जीतकर पहली बार सुर्खियां बटोरी थीं। उन्होंने उसी साल पहली बार ओलिंपिक में हिस्सा लिया। वे ओलिंपिक क्वार्टर-फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। साइना 2009 में इह्रा सुपर सीरीज प्रतियोगिता जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। इसके बाद 2010 के कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड मेडल जीता।

चोट के बाद शानदार वापसी

साइना का करियर रियो ओलिंपिक 2016 के दौरान लगी घुटने की चोट से काफी प्रभावित हुआ। हालांकि, इसके बावजूद उन्होंने 2017 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज और कॉमनवेल्थ गेम्स 2018 में गोल्ड मेडल जीतकर शानदार वापसी की। साइना के घुटने की समस्या बार-बार उभरती रही। 2024 में साइना ने सार्वजनिक रूप से बताया था कि वे आर्थराइटिस से परेशान हैं। कार्टिलेज पूरी तरह घिस चुका है, जिससे शीर्ष स्तर पर खेलना लगभग असंभव हो गया है।

ओलिंपिक मेडल जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 साइना ने लंदन ओलिंपिक-2012 में भारत को ब्रॉन्ज मेडल दिलाया था। वे ओलिंपिक मेडल जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। उन्होंने 3 ओलिंपिक गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व किया। साइना को 2009 में अर्जुन अवॉर्ड और 2010 में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में लगी आग

यहां बिग बैश लीग का मैच चल रहा था

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग के एक मैच के दौरान मंगलवार को पर्थ के ऑप्टस स्टेडियम में आग लग गई। यह मैच मेजबान पर्थ स्कॉर्चर्स और सिडनी सिक्सर्स के बीच मैच खेला जा रहा था। इस मैच को पर्थ ने 48 रन से जीता।

शुरुआती जानकारी के अनुसार मैच दर्शकों से भरा हुआ था। तभी आसमान में धुआं उठता देखा गया। बाद में पता चला कि स्टेडियम के बाहरी हिस्से में किसी कमरे में आग लगी थी। घटना के बाद बचावकर्मी इसे बुझाने में जुट गए। हालांकि, मामले में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

इस मैच का टॉस सिडनी सिक्सर्स ने जीता और गेंदबाजी चुनी। पर्थ स्कॉर्चर्स की पारी का 16वां ओवर डाला जा रहा था, तभी आसमान में

धुआं उठता देखा गया। आग की घटना का मैच में कोई असर नहीं हुआ और मैच जारी रहा।

पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट पर 147 रन बनाए। फिन एलन ने 49 रन की पारी खेली। मिचेल स्टार्क, बेन ड्वार्शिस और जैक एडवर्ड्स ने 2-2 विकेट झटके। 148 रन का टारगेट चेज कर रही सिडनी की टीम ने पहले ओवर में विकेट गंवाया। यहां बाबर आजम जीरो पर आउट हो गए। उन्हें कूपर कॉनोली की बॉल पर जोश इंग्लिस ने स्टंप कर दिया।

श्रेयस अय्यर को मौका नहीं, न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत का पहला टी-20 कल

ईशान किशन नंबर-3 पर खेलेंगे : सूर्या

प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहले टी20 मैच से पहले कप्तान सूर्यकुमार यादव ने साफ किया है कि ईशान किशन नंबर तीन पर बल्लेबाजी करेंगे। नागपुर में हुई प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में सूर्यकुमार ने कहा कि ईशान टी-20 वर्ल्ड कप 2026 की योजना का हिस्सा हैं और घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

उन्होंने कहा- टीम मैनेजमेंट को लगता है कि नंबर तीन के लिए ईशान सबसे मजबूत विकल्प हैं और उन्हें मौके मिलने चाहिए। वहीं 25 महीने बाद वापसी कर रहे श्रेयस अय्यर को अभी मौका नहीं मिलेगा।

सूर्यकुमार यादव भारतीय टी-20 टीम के कप्तान हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का पहला मुकाबला बुधवार को नागपुर में खेला जाएगा। न्यूजीलैंड के पेसर जैकब डफी ने विराट कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा करने को लेकर कहा कि भारतीय फैंस का कोहली के लिए जुनून उन्होंने मैदान पर देखा है, अब उसे ड्रेसिंग रूम के अंदर से देखना खास अनुभव होगा। उन्होंने कहा कि ड्रेसिंग रूम से कोहली को चीयर करना उनके लिए यादगार पल होगा।

ईशान 4 मैच नंबर-3 पर खेल चुके

टी-20 इंटरनेशनल में ईशान किशन अब तक चार मैच नंबर तीन पर खेल चुके हैं। इस दौरान उन्होंने 114 रन बनाए हैं, जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। उनका औसत 28.50 रहा है। ईशान ने मार्च 2023 में इंग्लैंड के खिलाफ टी20 डेब्यू किया था। इसके बाद उन्होंने 32 टी-20 खेले और 796 रन बनाए। औसत 25.67 रहा और छह अर्धशतक लगाए। उनका आखिरी टी20 मैच नवंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ था।

भारत की टी-20 टीम

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर (पहले तीन टी20), हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, अक्षर पटेल (उपकप्तान), रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, ईशान किशन (विकेटकीपर), रवि बिश्नोई।

सैयद मुश्ताक अली के टॉप स्कोरर रहे

घरेलू क्रिकेट में ईशान का प्रदर्शन हाल में काफी मजबूत रहा है। वे सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी 2025-26 के टॉप रन-स्कोरर रहे। झारखंड की ओर से खेलते हुए उन्होंने 10 मैचों में 517 रन बनाए। औसत 57.44 और स्ट्राइक रेट 197.32 रहा। इस दौरान उन्होंने दो शतक और दो अर्धशतक लगाए और टीम को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई।

मनोरंजन

धुरंधर के पार्ट-2 का टाइटल होगा धुरंधर द रिवेंज

सेंसर बोर्ड ने पास किया फिल्म का एक मिनट से लंबा टीजर

नई दिल्ली, एजेंसी

धुरंधर फैंस के लिए खुशखबरी है, क्योंकि फिल्म के दूसरे पार्ट का टीजर जल्द ही रिलीज किया जाने वाला है। इसी के साथ फिल्म के पार्ट-2 के सीक्वल का टाइटल भी कन्फर्म हो गया है। 19 जनवरी यानी सोमवार को फिल्म धुरंधर-2 का टीजर सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन के पास भेजा गया था। ये टीजर 1 मिनट से लंबा है। बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, धुरंधर पार्ट- 2 का टाइटल धुरंधर द रिवेंज होने वाला है। सेंसर बोर्ड ने फिल्म का टीजर देखने के बाद इसे पास करते हुए 'A' (एडल्ट ओनली) सर्टिफिकेट दिया है। इससे पहले धुरंधर पार्ट-1 को हिंसक सीन होने के चलते ए सर्टिफिकेट ही दिया गया था।

भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है धुरंधर

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर भारत में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है, जिसने सिर्फ भारत में 879.75 करोड़ रुपए कमाए हैं। इसके अलावा फिल्म वर्ल्डवाइड दंगल (1963 करोड़) से बाद दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म है।

तलाक की खबरों पर नेहा ने तोड़ी चुप्पी

कहा- मेरे पति और परिवार को इसमें मत घसीटो, एक दिन पहले रिश्तों से ब्रेक लेने की बात कही थी

नई दिल्ली, एजेंसी

बॉलीवुड की मशहूर सिंगर नेहा कक्कड़ अपनी एक भावुक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर इन दिनों सुर्खियों में हैं। रिश्तों से ब्रेक लेने की बात कहने के बाद नेहा के तलाक की अटकलें तेज हो गई थीं, लेकिन अब खुद सिंगर ने इन खबरों पर विराम लगा दिया है। नेहा कक्कड़ ने साफ शब्दों में कहा है कि वह तलाक नहीं ले रहीं और साथ ही लोगों से अपील की है कि उनके पति और परिवार को इस विवाद में न घसीटा जाए। दरअसल, नेहा कक्कड़ ने हाल ही में सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था, इस पोस्ट के सामने आते ही सोशल मीडिया पर कयासों का दौर शुरू हो गया और इसे उनकी निजी जिंदगी से जोड़कर देखा जाने लगा।

इमोशनल पोस्ट पर जताया पछतावा

नेहा कक्कड़ ने यह भी स्वीकार किया कि सोशल मीडिया पर भावुक होकर पोस्ट करना उनकी गलती थी। उन्होंने लिखा कि लोग अच्छी तरह जानते हैं कि किस तरह छोटी बात को बड़ा बना दिया जाता है। उन्होंने कहा, "मैं मानती हूं कि सोशल मीडिया पर पोस्ट करते समय मुझे इतना भावुक नहीं होना चाहिए था। सबक मिल गया।" पोस्ट के आखिर में नेहा ने अपने फैंस से प्यार जताते हुए लिखा कि वह अब अपनी पर्सनल लाइफ को पब्लिक प्लेटफॉर्म पर शेयर नहीं करेंगी।

"अब जिम्मेदारियों, रिश्तों, काम और हर उस चीज से ब्रेक लेने का वक्त है, जिसके बारे में मैं अभी सोच सकती हूं। पता नहीं मैं वापस आऊंगी या नहीं। धन्यवाद।" इस पोस्ट के बाद नेहा ने पैपराजी और फैंस से उनकी फोटो न लेने की भी अपील की थी। उन्होंने अपनी स्टोरी में लिखा था, "मैं पैपराजी और फैंस से गुजारिश करती हूं कि मेरी बिल्कुल भी फोटो न खींचे। मेरी प्राइवेसी का सम्मान करें और मुझे शांति से जीने दें। नो कैमरा प्लीज।"

ट्रोलिंग और विवादों से घिरी रहीं नेहा

गौरतलब है कि हाल के दिनों में नेहा कक्कड़ और उनके भाई टोनी कक्कड़ को गाने 'कैंडी शॉप' को लेकर सोशल मीडिया पर जबरदस्त ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा था। यूजर्स ने गाने के डांस मूव्स को 'सस्ते' और 'अश्लील' बताते हुए के-पॉप की नकल करने के आरोप लगाए थे।

वायरल वीडियो में शो के मंच से बोले- हेल्थ के चलते 3 - 5 साल का ब्रेक है

जाकिर खान ने लंबा ब्रेक लेने का किया ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी

स्टैंड-अप कॉमेडियन जाकिर खान ने स्टेज शो से लंबा ब्रेक लेने का ऐलान किया है। वह इन दिनों अपने स्टैंड-अप शो 'स्पेशल पापा यार' के साथ देश के अलग-अलग शहरों में शो कर रहे हैं। इसी टूर का उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में जाकिर हैदराबाद में स्टेज से ऑडियंस से बात करते दिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह लंबे ब्रेक पर जा रहे हैं, इसलिए यह हैदराबाद में उनका आखिरी शो होगा।

जाकिर ने आगे कहा कि वह 2028-29 या 2030 में स्टेज शो में वापस आ सकते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने यह ब्रेक अपनी हेल्थ

और दूसरी निजी चीजों के चलते लिया है। वायरल वीडियो के बीच जाकिर ने सोशल मीडिया पर भी इसका इशारा किया। मंगलवार दोपहर उन्होंने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की। यह पोस्ट दुबई पहुंचने के बाद का बताया जा रहा है। इसमें उन्होंने लिखा कि 20 जून तक हर शो एक सेलिब्रेशन की तरह होगा। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार वह कई शहरों में नहीं आ पाएंगे। इसलिए दर्शक थोड़ा ज्यादा प्रयास करके शो में जरूर आएं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब उन्होंने अपनी हेल्थ को लेकर बात की हो। पिछले साल सितंबर भी उन्होंने इंस्टाग्राम पर बताया था कि वह एक साल से ज्यादा समय से ठीक महसूस नहीं कर रहे थे। इसके बावजूद उन्होंने काम जारी रखा। उन्होंने कहा था कि उस समय काम करना उन्हें जरूरी लग रहा था।

स्टेज से लोगों का आभार जताते हुए उन्होंने कहा कि इस समय वहां मौजूद हर शख्स उनके दिल के बहुत करीब है। उन्होंने दर्शकों का शुक्रिया अदा किया और कहा कि उन्हें जितना प्यार मिला है, वह उसके लिए हमेशा आभारी रहेंगे।

उन्होंने बताया था कि पिछले करीब दस साल से वह लगातार टूर कर रहे हैं। इस दौरान वह दिन में दो से तीन शो करते रहे। कई बार उन्हें बिना नींद के काम करना पड़ा। सुबह-सुबह फ्लाइट पकड़नी पड़ी। खाने का कोई तय समय नहीं रहा। इस तरह की लाइफ-स्टाइल का असर उनकी सेहत पर पड़ा।

फिल्म 'कुंग फू हसल' के एक्टर ब्रूस लिउंग का निधन

नई दिल्ली। फिल्म कुंग फू हसल में नजर आए मशहूर मार्शल आर्टिस्ट और एक्टर ब्रूस लिउंग का 77 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्हें लिउंग सिउ-लुंग के नाम से भी जाना जाता था। सीएनए लाइफस्टाइल की रिपोर्ट के मुताबिक, उनका निधन 14 जनवरी 2026 को हुआ। हालांकि, मौत की वजह अभी सामने नहीं आई है। परिवार अंतिम संस्कार की तैयारियों में जुटा है और 26 जनवरी को चीन के शेनझेन शहर के लोंगगांग जिले में अंतिम विदाई का कार्यक्रम होगा। ब्रूस लिउंग के डॉयिन (टिकटॉक की चीन स्थित सहयोगी कंपनी) अकाउंट पर एक इमोशनल मैसेज भी पोस्ट किया गया, जो उनके नाम से लिखा गया बताया जा रहा है। इसमें कहा गया, "मैं बहुत-बहुत दूर एक फिल्म बनाने चला गया हूं। बिना अलविदा कहे चले जाने के लिए मुझे माफ कर दीजिए। बस इतना समझ लीजिए कि मैं किसी बहुत दूर जगह पर शूटिंग के लिए गया हूं।

अंकिता लोखंडे ने भी 2016 वाले ट्रेंड को फॉलो किया

पोस्ट में मुश्किल दौर को याद करते हुए लिखा अंदर से टूट गई थी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया पर इन दिनों 2016 नॉस्टेल्जिया यानी 2016 की पुरानी यादों का ट्रेंड चल रहा है। लोग उस साल से जुड़ी यादों को शेयर कर रहे हैं। इसी ट्रेंड में टीवी एक्ट्रेस अंकिता लोखंडे ने भी 2016 की अपनी पुरानी यादें शेयर कीं।

अंकिता ने 2016 की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। उन्होंने बताया कि वह साल उनकी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर में से एक था। पोस्ट में उन्होंने लिखा कि 2016 ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया और अंदर से तोड़ा और बदल दिया। उस साल उन्होंने अपने पालतू कुत्तों को खो दिया था, जिसका दर्द आज भी उन्हें याद है। अंकिता ने लिखा कि साल 2016 में उन्होंने इंस्टाग्राम पर पहला पोस्ट किया था। उसी समय

उन्हें एहसास हुआ कि वह हमेशा से फैमिली गर्ल रही हैं। उन्होंने अपने कुत्ते स्कॉच को याद करते हुए लिखा कि वही उस साल उनका सबसे बड़ा सहारा था। उन्होंने हर मुश्किल समय में उनका साथ दिया। अंकिता ने कहा कि वह आज भी उन्हें बहुत मिस करती हैं।

अंकिता ने अपने दादा आजोबा को भी याद किया। उन्होंने उस दौर की तस्वीरों का जिक्र किया, जब वह फोटोशूट और छोटी-छोटी चीजों में खुशी ढूंढा करती थीं। उन्होंने लिखा कि साड़ी पहनने का उनका प्यार आज भी वैसा ही है। पोस्ट के आखिर में अंकिता ने लिखा कि 2016 की ये यादें उन्हें खुद को समझने और आगे बढ़ने की ताकत देती हैं। उन्होंने खुद को याद दिलाया कि उन्होंने मुश्किल दौर को पार किया और आगे बढ़ीं। गौरतलब है कि अंकिता को टीवी शो पवित्र रिश्ता से खास पहचान मिली थी। इस शो के दौरान उनकी मुलाकात 2009 में सुशांत सिंह राजपूत से हुई थी, जिसके बाद दोनों लगभग 7 साल तक रिलेशनशिप में रहे थे।

C M Y K
C M Y K
C M Y K
C M Y K
C M Y K
C M Y K

किम जोंग ने मंच से डिप्टी पीएम को बर्खास्त किया

कहा- बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती, तुम्हें जिम्मेदारी देना गलती थी, देर होने से पहले निकल जाओ

प्योंगयांग, एजेंसी

उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन ने डिप्टी पीएम यांग सुंग-हो को बर्खास्त कर दिया है। कोरियाई न्यूज एजेंसी KCNA के मुताबिक किम जोंग उन योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स में सोमवार को इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के पहले चरण के उद्घाटन के लिए पहुंचे थे। किम ने अपने संबोधन के दौरान यांग सोंग-हो को हटाने का आदेश दिया। किम ने डिप्टी पीएम को फटकार भी लगाई। किम ने मंच से ही डिप्टी पीएम से कहा, "बहुत देर होने से पहले, अपने पैरों पर खुद यहां से चले जाओ।" किम ने कहा कि यांग बड़ी जिम्मेदारियां संभालने के लायक नहीं हैं। किम ने कहा, "एक बकरी गाड़ी नहीं खींच सकती। यह हमारे कैडर अपॉइंटमेंट सिस्टम में हुई एक गलती थी। आखिरकार, गाड़ी बैल खींचता है, बकरी नहीं।" किम जोंग उन ने कहा कि उन्होंने यांग को योंगसोंग मशीन कॉम्प्लेक्स के पहले चरण के आधुनिकीकरण में हुई गंभीर गलतियों को सुधारने के लिए कई बार मौका दिया था।

पिछले हफ्ते किम जोंग ने 3 अफसरों को बदला था

किम जोंग उन ने पार्टी के उन सदस्यों पर भी नाराजगी जताई, जो लंबे समय से काम को लेकर लापरवाह बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि मौजूदा आर्थिक नीति संभालने वाले अधिकारी देश के उद्योग को फिर से व्यवस्थित करने और तकनीकी रूप से आगे बढ़ाने में सक्षम नहीं हैं। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, किम की यह सार्वजनिक चेतावनी अचानक नहीं है। इसे पार्टी की नौवीं कांग्रेस से पहले अधिकारियों में डर और अनुशासन पैदा करने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

काम में देरी के लिए अधिकारियों को जिम्मेदार ठहराया

यह कार्रवाई ऐसे समय में हुई है, जब देश में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की नौवीं पार्टी कांग्रेस की तैयारी चल रही है। उत्तर कोरिया में किसी अधिकारी को इस तरह सार्वजनिक रूप से फटकार लगना आम बात नहीं मानी जाती। यांग सुंग-हो पहले देश के मशीनरी उद्योग के मंत्री थे। बाद में उनका प्रमोशन करके मशीनरी क्षेत्र की जिम्मेदारी संभालने वाला उपप्रधानमंत्री बना दिया गया। दक्षिण कोरिया की सरकारी एजेंसी योनहाप के मुताबिक, वह पार्टी के शीर्ष नेतृत्व में भी शामिल थे, लेकिन वहां उनकी भूमिका स्थायी नहीं थी। अभी तक यह नहीं बताया गया है कि उनकी जगह अब किसे जिम्मेदारी दी जाएगी।

योनहाप ने यह भी बताया कि इससे पहले, पिछले हफ्ते किम जोंग उन ने अपनी सुरक्षा से जुड़े टॉप मिलिट्री अफसरों को भी बदल दिया था। इसमें तीन बड़ी यूनिट के प्रमुख शामिल थे- सत्तारूढ़ पार्टी का गार्ड ऑफिस, स्टेट अफेयर्स कमीशन का गार्ड विभाग और बॉडीगार्ड कमांड।

किम जोंग ने फूफा को फांसी दे दी थी

उत्तर कोरिया में सार्वजनिक बर्खास्तगी के उदाहरण बहुत कम हैं, लेकिन पहले भी ऐसे मामले सामने आ चुके हैं। 2013 में किम जोंग उन के फूफा जांग सोंग-थैक को तख्ता पलट की साजिश के आरोप में फांसी दी गई थी। थैक पर तख्तापलट की साजिश के अलावा, भ्रष्टाचार, पार्टी विरोधी गतिविधियां, विदेशी ताकतों खासकर चीन के साथ गलत तरीके से रिश्ते रखना, देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने के आरोप लगाए गए।

चांदी आज ₹10,888 बढ़कर ₹3.05 लाख के ऑलटाइम हाई पर

20 दिनों में कीमत ₹74 हजार बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी के दाम आज यानी 20 जनवरी को लगातार दूसरे दिन अपने ऑलटाइम हाई पर पहुंच गए हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिए-शन (IBJA) के अनुसार एक किलो चांदी आज पहली बार सर्राफा बाजार में 3 लाख के पार निकल गई है। ये 10,888 रुपए बढ़कर 3,04,863 रुपए पर पहुंच गई है। इससे पहले कल ये 2,93,975 रुपए पर थी। MCX पर चांदी कल ही 3 लाख के पार निकल गई थी। चांदी इस साल सिर्फ 20 दिनों में ही 74,443 रुपए महंगी हो चुकी है। सोना 2,429 रुपए बढ़कर 1,46,375 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। कल ये 1,43,946 रुपए पर था। सोना इस साल अब तक 13,180 रुपए महंगा हो चुका है। पिछले साल यानी 2025 में सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। चांदी का भाव भी इस दौरान 1,44,403 रुपए (167%) बढ़ा। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो इस साल के आखिरी दिन 2,30,420 रुपए प्रति किलो हो गई। पुलिस ने बताया कि फंसे हुए वाहनों को हटाने के लिए राहत और बचाव कार्य शुरू कर दिया गया। 2026 में चांदी 3.20 लाख प्रति किलो तक पहुंच सकती है। सोलर और EV डिमांड को देखते हुए हर गिरावट पर खरीदारी की सलाह है।

थाना परिसर में खड़े ज़ब्त वाहनो की हुई नीलामी

तमसा संकेत, संवाददाता

हल्दौर। थाना परिसर में लंबे समय से खड़े जब्त एवं निरुपयोगी वाहनों की विधिवत नीलामी कराई गई। मंगलवार को हुई नीलामी प्रक्रिया में कुल करीब पांच लाख रुपये की राजस्व प्राप्ति हुई। नीलामी पूरी तरह पारदर्शी प्रक्रिया के तहत कराई गई, जिसमें विभिन्न बोलीदाताओं ने भाग लिया।

नीलामी के दौरान उपजिलाधि-कारी रितु, क्षेत्राधिकारी सिटी संग्राम सिंह तथा थाना प्रभारी निरीक्षक किशन अवतार सिंह मौके पर मौजूद रहे। अधिकारियों की निगरानी में नीलामी संपन्न कराई गई, जिससे किसी भी प्रकार की अनियमितता की संभावना नहीं रही।

उपजिलाधिकारी रितु ने बताया कि न्यायालय एवं प्रशासनिक निर्देशों के अनुपालन में थाना परिसर में खड़े जब्त वाहनों की नीलामी कराई गई है। इससे जहां एक ओर थाना परिसर में अनावश्यक रूप से घिरे स्थान को खाली कराया जा सका है, वहीं दूसरी ओर सरकारी राजस्व में भी वृद्धि हुई है।

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स बोलीं -लक्ष्य है चांद पर टिकाऊ और साझा वापसी

दुनिया में चल रही 'स्पेस रेस'

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रसिद्ध अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स ने कहा है कि इस समय दुनिया में एक तरह की 'स्पेस रेस' जरूर चल रही है, लेकिन इसका मकसद प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि मानवता की चांद पर सुरक्षित, टिकाऊ और लोकतांत्रिक तरीके से वापसी सुनिश्चित करना है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अंतरिक्ष मिशन तभी सफल होंगे, जब देश मिलकर काम करें। मंगलवार को दिल्ली स्थित अमेरिकन सेंटर में आयोजित एक इंटरैक्टिव कार्यक्रम में सुनीता विलियम्स ने युवाओं से खुलकर बातचीत की। कार्यक्रम की शुरुआत में उन्होंने कहा कि भारत आना उनके लिए घर लौटने जैसा है, क्योंकि उनके पिता का जन्म भारत में हुआ था।

नीले रंग के स्पेस सूट और स्पेस थीम वाले जूतों में मंच पर पहुंचीं 60 वर्षीय सुनीता विलियम्स का युवाओं ने जोरदार स्वागत किया। करीब एक घंटे तक चली बातचीत में उन्होंने अपने अनुभव हल्के-फुल्के अंदाज और हास्य के साथ साझा किए। बता दें कि सुनीता विलियम्स का जन्म 19 सितंबर 1965 को अमेरिका के ओहायो में हुआ था। उनके पिता दीपक पांड्या गुजरात के मेहसाणा जिले के झूलासन गांव से हैं, जबकि उनकी मां स्लोवेनिया मूल की हैं। वह अमेरिकी नौसेना में कैप्टन रह चुकी हैं। इसके साथ ही जब उनसे पूछा गया कि निजी कंपनियों की बढ़ती भागीदारी से क्या स्पेस रेस तेज हो रही है, तो उन्होंने कहा कि हां, एक स्पेस रेस है। लेकिन यह इस बात की रेस है कि हम चांद पर सही नियमों, सहयोग और साझा समझ के साथ कैसे लौटें। उन्होंने चांद की तुलना अंटार्कटिका से करते हुए कहा कि वहां भी सभी देश मिलकर काम करते हैं और चांद पर भी ऐसा ही होना चाहिए।

अंतरिक्ष में भारत की भूमिका पर भी बोलीं विलियम्स

इस दौरान सुनीता विलियम्स ने बताया कि आर्टेमिस अकॉर्ड्स के जरिए कई देश चांद मिशन में सहयोग कर रहे हैं और भारत भी इसका हिस्सा है। भारत का लक्ष्य 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन बनाना और 2040 तक भारतीय को चांद पर भेजना है। उन्होंने निजी कंपनियों की भूमिका की तारीफ करते हुए कहा कि इससे युवाओं के लिए अंतरिक्ष क्षेत्र में नई नौकरियां और अवसर पैदा हो रहे हैं, चाहे वह रॉकेट हों, सैटेलाइट, नई तकनीक या 3डी प्रिंटिंग।

जीवन पर अंतरिक्ष का असर

अंत में सुनीता विलियम्स ने कहा कि अंतरिक्ष से पृथ्वी को देखने के बाद इंसान का नजरिया बदल जाता है। ऊपर से देखने पर लगता है कि हम सब एक हैं। तब समझ आता है कि आपसी झगड़े कितने बेकार हैं। यह एहसास इंसान को और ज्यादा साथ मिलकर चलने की सीख देता है। सुनीता विलियम्स की यह बातचीत युवाओं के लिए न सिर्फ प्रेरणादायक रही, बल्कि यह संदेश भी दे गई कि अंतरिक्ष की असली जीत सहयोग में है, प्रतिस्पर्धा में नहीं।

अंतरिक्ष में 9 महीने फंसी रहीं

बातचीत के दौरान उन्होंने उस चुनौतीपूर्ण अनुभव को भी साझा किया, जब उनका 8 दिन का मिशन बढ़कर 9 महीने से ज्यादा का हो गया। बोइंग के अंतरिक्ष यान में आई तकनीकी दिक्कतों के कारण उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में लंबे समय तक रुकना पड़ा। इस दौरान आईएसएस के वीडियो भी दिखाए गए, जिनमें अलग-अलग देशों के अंतरिक्ष यात्री थैंक्सगिविंग, क्रिसमस और जन्मदिन मनाते नजर आए। इस पर हंसते हुए सुनीता ने कहा कि हम अच्छे गायक नहीं हैं, लेकिन अंतरिक्ष में केक जरूर बना लेते हैं। उन्होंने बताया कि कई बार आईएसएस पर एक साथ 12 अंतरिक्ष यात्री रहते हैं और यह पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय सहयोग का उदाहरण है।

फास्ट न्यूज

100 से ज्यादा गाड़िया आपस में टकराई

वॉशिंगटन। अमेरिका के मिशिगन राज्य में बर्फीले तूफान की वजह से बड़ा सड़क हादसा हुआ है। सोमवार को एक इंटरस्टेट हाईवे पर 100 से ज्यादा गाड़ियां आपस में टकरा गईं। कई गाड़ियां सड़क से फिसल गईं। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक 30 से ज्यादा सेमी-ट्रेलर ट्रक फंसे हुए हैं। हादसे के बाद पुलिस को हाईवे के दोनों तरफ का ट्रैफिक बंद करना पड़ा।

सेंसेक्स 650 अंक गिरा, निफ्टी 25,350 के नीचे

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार (20 जनवरी) को लगातार दूसरा दिन गिरावट देखने को मिल रही है। सेंसेक्स 650 अंक गिरकर 82,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। निफ्टी में भी करीब 225 अंक की गिरावट है, ये 25,350 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 5 में तेजी और 25 में गिरावट देखने को मिल रही है। कमजोर ग्लोबल संकेत, FII की लगातार बिकवाली और ट्रेड वॉर की आशंकाओं ने निवेशकों का भरोसा कम किया। 19 जनवरी को विदेशी संस्थागत निवेशकों (FIIs) ने 3,262 करोड़ के शेयर बेचे। इस दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों (DIIs) ने 4,234 करोड़ के शेयर खरीदे। दिसंबर 2025 में FIIs ने कुल 34,350 करोड़ के शेयर्स बेचे थे। इस दौरान बाजार को संभाल रहे DIIs ने 79,620 करोड़ के शेयर खरीदे थे।

नया इनकम टैक्स कानून 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पुराने इनकम टैक्स एक्ट 1961 को बदलकर नया इनकम टैक्स एक्ट 2025 लाया है, जो 1 अप्रैल 2026 से लागू होगा। इसमें सबसे बड़ा बदलाव 'असेसमेंट ईयर' और 'प्रीवियस ईयर' की जगह 'टैक्स ईयर' का इस्तेमाल होगा। इससे आम टैक्सपेयर को ITR फाइल करने में कम कन्फ्यूजन होगा, क्योंकि इनकम कमाने वाला साल और टैक्स रिपोर्ट करने वाला साल एक ही होगा।

'मदर ऑफ ऑल डील्स' की दहलीज पर भारत

27 जनवरी को ऐतिहासिक समझौते के आसार

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक व्यापार में अनिश्चित-ताओं के बीच भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) एक 'ऐतिहासिक व्यापार समझौते' के बेहद करीब पहुंच चुके हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान संकेत दिया कि दोनों पक्ष इस बहुप्रतीक्षित समझौते को अंतिम रूप देने के लिए तैयार हैं। इसे कुछ हलकों में मदर ऑफ ऑल डील्स कहा जा रहा है, जो दुनिया के सबसे बड़े मुक्त व्यापार क्षेत्रों में से एक का निर्माण करेगा।

उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने अपने संबोधन में साफ किया कि यह समझौता महज एक कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक गेम-चेंजर साबित होगा। इस दौरान विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे ने कहा, ₹भारत और यूरोप के बीच अब तक का सबसे बड़ा समझौता बस होने ही वाला है।₹

विशाल दायरा: इस समझौते से दो अरब लोगों का एक साझा बाजार तैयार होगा।

आर्थिक ताकत: यह संयुक्त बाजार वैश्विक जीडीपी के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करेगा।

यूरोप का फोकस: वॉन डेर लेयेन ने कहा कि यूरोप आज के 'ग्रोथ सेंटर्स' और इस सदी के आर्थिक पावरहाउस यानी भारत के साथ कारोबार करना चाहता है। उन्होंने इसे दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते और गतिशील महाद्वीपों में से एक के साथ जुड़ने के लिए यूरोप का 'फर्स्ट-मूवर एडवांटेज' बताया।

माना जा रहा है कि सरकार एफटीए पर गणतंत्र दिवस के दौरान बड़ी घोषणा की तैयारी कर रही है। इस पर आधिकारिक मुहर 27 जनवरी को लगने की उम्मीद है।

एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स 2026 में भारत 6वें नंबर पर

चीन नंबर-1 पर कायम, भारत को इंफ्रा और टैक्स में सुधार की जरूरत

नई दिल्ली, एजेंसी

एशिया के मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरने की भारत की कोशिशों को थोड़ा धीमा रिस्पॉन्स मिला है। एशिया मैन्युफैक्चरिंग इंडेक्स (AMI) 2026 की रिपोर्ट में भारत 11 प्रमुख एशियाई देशों की लिस्ट में 6वें नंबर पर है। 2024 की रिपोर्ट में भारत 8 देशों में चौथे नंबर पर था, लेकिन पिछले साल से यह छठे पायदान पर स्थिर बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनने के लिए अपने इन्फ्रास्ट्रक्चर और टैक्स नियमों में और ज्यादा सुधार करने की जरूरत है। इंडेक्स के मुताबिक, चीन अभी भी एशिया में मैन्युफैक्चरिंग के मामले में दुनिया की पहली पसंद बना हुआ है। वहीं मलेशिया ने इस बार बड़ी कामयाबी हासिल की है। मलेशिया ने वियतनाम को पीछे छोड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है। वियतनाम तीसरे, सिंगापुर चौथे और दक्षिण कोरिया 5वें नंबर पर है। भारत इन देशों से पीछे छठे स्थान पर है, जबकि इंडोनेशिया 7वें और थाईलैंड 8वें नंबर पर है। यह रिपोर्ट डिजन शिरा एंड एसोसिएट्स ने जारी की है।

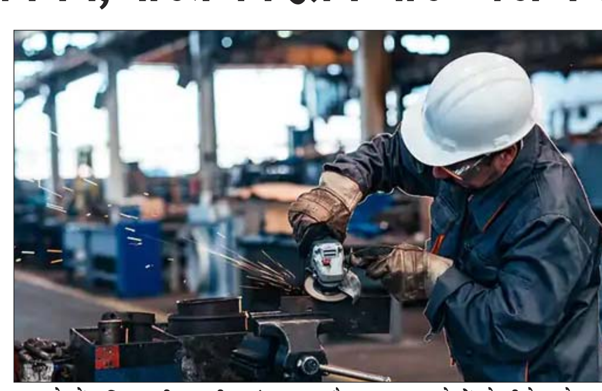

इसमें किसी भी देश की मैन्युफै-क्चरिंग क्षमता को 8 मुख्य आधारों पर परखा गया है। इनमें इकोनॉमी, पॉलिटिकल रिस्क, बिजनेस एनवा-यरनमेंट, इंटरनेशनल ट्रेड, टैक्स पॉलिसी, इन्फ्रास्ट्रक्चर, लेबर फोर्स और एनवायरनमेंट-सोशल-गवर्नेंस (ESG) शामिल हैं। भारत का लक्ष्य वित्त वर्ष 2026 तक 1 ट्रिलियन डॉलर की मैन्युफैक्चरिंग इकोनॉमी बनने का है। रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि भारत को केवल लेबर की उपलब्धता पर निर्भर रहने के बजाय स्किल डेवलपमेंट और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देना होगा। अगर भारत अपनी लॉजिस्टिक्स लागत को कम कर लेता है, तो वह अगले कुछ वर्षों में वियतनाम और मलेशिया को कड़ी टक्कर दे सकता है।

चर्चा : कॉस्मेटिक सर्जरी कराने की अटकलें ■ लोग कह रहे- हॉलीवुड के कॉस्मेटिक सर्जन फेल

पाकिस्तानी मंत्री मरियम औरंगजेब का बदला रूप देखकर लोग हैरान

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान की सत्तारूढ़ पार्टी PML-N की सीनियर नेता मरियम औरंगजेब इन दिनों सोशल मीडिया पर चर्चा में हैं। वजह है लाहौर में हुई शादी में उनका बदला हुआ लुक। यह शादी पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नाती और मरियम नवाज के बेटे जुनैद सफदर की थी। मरियम औरंगजेब यहां मेहमान के तौर पर शामिल हुई थीं। जुनैद सफदर की शादी शंजे अली रोहैल से लाहौर में धूमधाम से हुई थी। हालांकि, शादी से ज्यादा चर्चा मरियम औरंगजेब की तस्वीरों को लेकर हुई। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में मरियम औरंगजेब पहले के मुकाबले ज्यादा स्लिम, शार्प फेस फीचर्स और बदले हुए लुक में नजर आईं। कई यूजर्स ने उनके ग्लो और फिटनेस की तारीफ की। कई लोगों उनके लुक में आए बदलाव को लेकर सवाल भी उठाए। यूजर्स ने यह अटकलें भी लगाईं कि मरियम औरंगजेब ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाई हो सकती है। कॉस्मेटिक सर्जरी एक मेडिकल प्रक्रिया होती है, जिसमें किसी व्यक्ति के चेहरे या शरीर की बनावट और दिखावट (को बेहतर या बदलने के लिए इलाज किया जाता है। इसका मकसद बीमारी का इलाज नहीं, बल्कि लुक में बदलाव या सुधार करना होता है। 45 वर्षीय मरियम औरंगजेब 2013 से पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज से जुड़ी हुई हैं। वह इस समय पंजाब सरकार में सीनियर मंत्री हैं। उनके पास सूचना, पर्यावरण संरक्षण, योजना, वन, मत्स्य पालन, वन्यजीव और विशेष पहलों जैसे अहम विभाग हैं। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्हें पर्यटन, पुरातत्व और संग्रहालयों का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया है। यह मामला इसलिए भी अहम था क्योंकि जांग सोंग-थैक कभी उत्तर कोरिया के सबसे ताकतवर नेताओं में गिने जाते थे।

दिसंबर 2013 में पार्टी की एक

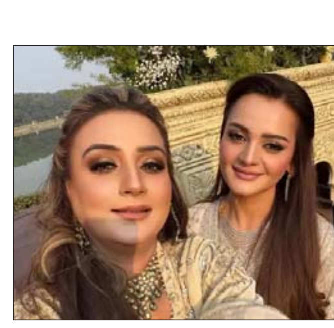

■ तस्वीर में मरियम औरंगजेब (बीच में) एक सुनहरे रंग की ड्रेस में नजर आ रही है।

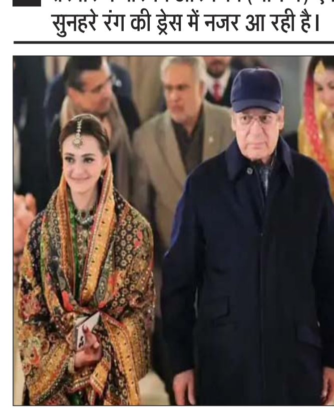

■ तस्वीर पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ (दाएं) और मरियम (बाएं) की है।

नोबेल सरकार नहीं, कमेटी देती है : जोनास गाहर स्टोर

वॉशिंगटन। नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गाहर स्टोर ने सोमवार को ट्रम्प का लेटर मिलने की पुष्टि की। इसके बाद बयान जारी कर उन्होंने साफ किया कि नोबेल शांति पुरस्कार नॉर्वे सरकार नहीं, बल्कि एक स्वतंत्र नोबेल कमेटी देती है। सरकार का इसमें कोई रोल नहीं है। दरअसल, ट्रम्प ने गाहर स्टोर को नोबेल नहीं मिलने को लेकर एक शिकायती चिट्ठी लिखी थी। इसमें उन्होंने ग्रीनलैंड को अमेरिका में मिलाने की बात कही थी। ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि वो अब नोबेल के बारे में नहीं सोचते। ट्रम्प ने कहा कि शांति जरूरी है, लेकिन अब वह यह भी सोचेंगे कि अमेरिका के हित में क्या सही है। ग्रीनलैंड पर कब्जा करने की उनकी कोशिश की एक वजह नोबेल शांति पुरस्कार न मिलना भी है। इसकी वजह से उनके फैसले पर भी असर पड़ रहा है। ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि अगर किसी को लगता है कि नॉर्वे नोबेल प्राइज को कंट्रोल नहीं करता है, तो यह मजाक है। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि नॉर्वे क्या कहा रहा है। मैं बस लोगों की जिंदगी बचाने के बारे में सोचता हूं।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96